राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 10 जून 2025 वर्ष-8,अंक-111 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कल स्पेस के लिए उड़ान भरेंगे भारत के शुभांशु, फुल ड्रेस रिहर्सल पूरी, वीडियो जारी किया

नई दिल्ली।

नमस्ते, मैं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हूं... ये गर्व भरे शब्द भारतीय वायुसेना के जांबाज टेस्ट पायलट शुभांशु शुक्ला के हैं जिन्होंने अंतरिक्ष में अपनी ऐतिहासिक उड़ान से पहले जारी एक वीडियो में यह बात कही है। 15 वर्षों तक एक कॉम्बैट पायलट रहे शुक्ला अब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय नागरिक बनने जा रहे हैं। यह ऐतिहासिक मिशन एक्सिओम स्पेस के 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत लॉन्च किया जाएगा, जिसे 'मिशन आकाश गंगा' भी कहा जा रहा है। यह निजी अंतरिक्ष उड़ान 10 जून को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन सी213 यान के जरिए प्रक्षेपित होगी। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद, यान 11 जून की रात करीब 10 बजे पर आईएसएस से जुड़ेगा। अपनी इस यात्रा को लेकर उन्होंने कहा, शुरुआत में मेरा सपना सिर्फ उड़ान भरना था। लेकिन अंतरिक्ष यात्री बनने की राह बाद में खुली। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे जीवन भर उड़ान भरने का अवसर मिला और फिर मुझे अंतरिक्ष यात्री बनने का आवेदन करने का मौका मिला। और आज मैं यहां हूं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन पर अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार हैं। यह भारत के लिए एक बड़ी खबर है। इस मिशन के साथ, भारत मानव अंतरिक्ष उड़ान में फिर से कदम रखने जा रहा है। शुक्ला इस मिशन के पायलट होंगे। उनके साथ मिशन कमांडर पेगी व्हिटसन (अमेरिका), मिशन विशेषज्ञ तिबोर कापू (हंगरी), पोलैंड के स्लावोस वुजनांस्की-विस्नेव्स्की (मिशन विशेषज्ञ) और यूरोपीय स्पेस एजेंसी के वैज्ञानिक शामिल भी होंगे। यह मिशन 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा के रूसी सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष में जाने

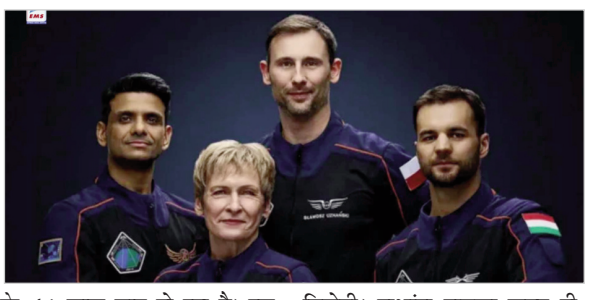

के 41 साल बाद हो रहा है। इस मिशन में कई वैज्ञानिक अनुसंधान किए जाएंगे। इससे मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी के बारे में नई जानकारी मिलेगी। शुभांशु शुक्ला जल्द ही अंतरिक्ष में उड़ान भरेंगे। वह एक्सीयओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन का हिस्सा हैं।

पहला कॉलम

भारत-नेपाल के रिश्तों को मजबूत करने पीएम ओली अगले माह आएंगे दिल्ली

अप्रैल में पीएम मोदी की ओली से बैंकॉक समिट में हुई थी मुलाकात

नई दिल्ली।

नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई में ओली दिल्ली आ सकते हैं। ओली पिछले साल जुलाई में नेपाल के प्रधानमंत्री नियुक्त हुए थे। नेपाल के प्रधानमंत्रियों की शपथ ग्रहण के बाद पहले विदेशी दौरे पर भारत आने की परंपरा रही है। ओली के साथ ऐसा नहीं हुआ। ओली ने परंपरा निभाने की कोशिश की लेकिन उनको भारत की सरकार से समय नहीं मिल पाया। अब उनके भारत दौरे का रास्ता साफ होता दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल सरकार की ओर से अपने नक्शे में लिपुलेख जैसे भारत के कुछ हिस्सों को दिखाने और कुछ बयानों के चलते बीते साल दोनों देशों के रिश्ते में तनाव पैदा हो गया था। ओली की ओर से ऐसे संकेत दिए गए थे, जिससे लगा था कि वह चीन को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद ओली ने बीते साल नवंबर में चीन का दौरा किया था। इससे भारत नाराज हो गया था और उनके दिल्ली आने का रास्ता साफ नहीं हो सका था। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू देउबा राणा ने अपने दिल्ली दौरे में भारत से केपी ओली की यात्रा को सुगम बनाने का अनुरोध किया था। अप्रैल में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की बैंकॉक में समिट के दौरान केपी ओली से मुलाकात हुई थी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी केपी ओली ने पीएम मोदी को फोन कर अपनी संवेदना जताई थी। इसके बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर पटरी पर लौटते नजर आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक फिलहाल 72 साल के केपी ओली के भारत दौरे की तैयारी चल रही है। केपी ओली के पीएम बनने पर पीएम मोदी ने उनको बधाई देते हुए दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत करने और परस्पर सहयोग बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करने की उम्मीद जताई थी। हालांकि ओली के पीएम बनने से भारत और नेपाल के रिश्ते में तनाव पैदा हो गया। इसकी संभावना एक्सपर्ट पहले ही जता रहे थे क्योंकि ओली को चीन समर्थक माना जाता रहा है। ओली पहले भी तीन बार नेपाल के पीएम बन चुके हैं। पूर्व में भी केपी ओली के नेपाल पीएम रहते हुए नेपाल के भारत के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। बता दें अपने पहले कार्यकाल में ओली ने भारत पर नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और उनकी सरकार को गिराने का आरोप लगा दिया था। उन्होंने नेपाल की सरकार में रहते हुए चीन से रिश्ते सुधारने को तरजीह दी। हालांकि अब वह भारत से रिश्ते बेहतर करने की ओर बढ़ रहे हैं।

शशि थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा समाप्त किया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा समाप्त किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लांडाउ सहित कई राजनयिक एवं राजनीतिक नेताओं से मुलाकात कर पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति को बताया। कांग्रेस सांसद थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की संपर्क पहल के तहत अमेरिका गया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। प्रतिनिधिमंडल तीन जून को अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन पहुंचा और तीन दिनों के दौरान 'कैपिटल हिल' में अमेरिकी सांसदों, विदेश नीति विशेषज्ञों, विचारक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, मीडिया एवं प्रवासी भारतीय समुदाय से मुलाकात की। थरूर ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से हुई लगभग 25 मिनट की मुलाकात को ÷उत्कृष्ट÷ बताया।

पीएम मोदी की कश्मीर यात्राः बुलेटप्रूफ ट्रेन का कोच, रेल फोर्स वन की तर्ज पर किया तैयार

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार छह जून को जम्मू-कश्मीर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सुरक्षा के जो इंतजाम किए गए थे। इनमें से एक जो बड़ा चैलेंज था। वह था पीएम मोदी का रेल मार्ग से चिनाब और अंजि ब्रिज का उदे घाटन करते हुए श्री माता वैष्णो देवी माता कटरा रेलवे स्टेशन जाना। इसके लिए जो सिंगल कोच की इंस्पेक्शन कार इस्तेमाल की गई थी। वह पिछले साल 23 अगस्त को युक्रैन दौरे पर गए गोला-बारूद हमले से भी बेअसर बुलेटप्रूफ रेल फोर्स-वन की तरह थी।

पीएम की रेल मार्ग से चिनाब और अंजि ब्रिज विजिट के लिए सुरक्षा के बेहद खास इंतजाम किए गए थे। इसके लिए एजेंसियों ने महीनों पहले पीएम स्पेशल इंस्पेक्शन कार तैयार कराई थी। जो की युक्रैन दौरे पर गए बुलेटप्रूफ रेल फोर्स-वन की तरह ही थी। जिसमें गोला-बारूद का भी असर नहीं होता है। सिंगल कोच वाली यह इंस्पेक्शन कार भी पूरी तरह से बुलेटप्रूफ तैयार कराई गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इस पर सवार थे। तब यह बिजली से नहीं बल्कि डीजल से चल रही थी। ताकि किसी भी स्थिति में अगर पावर फेल भी हो जाती है या कर दी जाती है तो भी पीएम की सिंगल कोच वाली वह इंस्पेक्शन कार बिना रूके सुरक्षित स्थान पर पहुंचाई जा सके। इस खास इंस्पेक्शन कार में 25 लोगों के बैठने की जगह थी। जिसमें पीएम के अलावा कुछ अन्य वीआईपी थे। बाकी सभी में एसपीजी कमांडों और सुरक्षा की दृष्टि से अन्य साजो-सामान था।

सूत्रों ने बताया कि इस इंस्पेक्शन कार में एक छोटी सी पेंट्री भी थी। जिससे यात्रा के दौरान वीवीआईपी को खाने-पीने की चीजें सर्व की गईं। टनल-35 से निकलने से कटरा रेलवे स्टेशन तक पहुंचने तक पूरे रास्ते चप्पे-चप्पे पर पुलिस और फोर्स के जवान तो तैनात थे ही। पूरे रूट को एसपीजी ने भी अपने सिक्योरिटी कवर में घेर रखा

था। पूरे वक्त एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव मोड पर रहा। इस खास इंस्पेशन कार को आजाद भारत की सबसे पुरानी इंटीग्रल रेल कोच फैक्ट्री में महीनों की तैयारियों से तैयार किया गया था। इस दौरान इसमें एसपीजी के कहने पर कई तरह के बदलाव किए गए थे। यहां विजिट के दौरान प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की पांच इंस्पेक्शन कार का बंदोबस्त किया गया था। जिसमें से दो अंबाला से भी मंगाई गई थी। लेकिन इनमें से एक यह खास बुलेटप्रूफ वाली थी।

पीएम मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक भगवान बिरसा मुंडा को उनके शहीद दिवस के मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग और समर्पण देश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करता रहेगा। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भगवान बिरसा मुंडा जी को उनके बलिदान दिवस पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा सहित कई नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा को सोशल मीडिया के दवारा श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित कर लिखा, महान स्वाधीनता सेनानी एवं जनजातीय अस्मिता के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। आदिवासी समाज को स्वाभिमान एवं आत्मगौरव से सम्पन्न बनाने में अमूल्य योगदान देने वाले भगवान बिरसा मुंडा देशवासियों की स्मृति में सदैव जीवित रहने वाले है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने लिखा, अंग्रेजों से आदिवासी अस्मिता की लड़ाई लड़कर बिरसा मुंडा ने अपना पूरा जीवन देशहित और वनवासी भाइयों के अधिकारों के लिए और सशक्तिकरण के लिए समर्पित किया। इसतरह के महान लोकनायक के बलिदान दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिखा, क्रांतिवीर एवं महान समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन। जल, जंगल और जमीन के लिए जनजातीय समुदायों को संगठित कर विदेशी हुकूमत के खिलाफ क्रांति का नेतृत्व करने वाले भगवान बिरसा मुंडा जी ने सिर्फ जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश में राष्ट्रीयता की चेतना पैदा की। जनजातीय अस्मिता और मातृभूमि के प्रति आपकी निष्ठा युगों-युगों तक प्रेरणा देती रहेगी। वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लिखा, असाधारण लोकनायक और स्वतंत्रता सेनानी, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस पर कोटि-कोटि नमन। वे आदिवासी जन के सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक अधिकारों के संरक्षक थे, जो विदेशी शक्ति के आगे कभी झुके नहीं।

कोझीकोड के करीब अरब सागर में विदेशी मालवाहक जहाज में आग

सवार 22 कर्मियों में से 18 को बचाया गया, 4 अभी भी लापता

कोझीकोड।

अरब सागर में केरल तट के पास एक बड़े विदेशी मालवाहक जहाज में सोमवार सुबह आग लगाने की सूचना मिली। इसके बाद इंडियन कोस्ट गार्ड ने आपात स्थिति में बचाव अभियान शुरू किया। जहाज मुंबई की ओर आ रहा था, इसमें 20 कंटेनर समुद्र में गिर गए हैं। जहाज पर सवार 22 कर्मियों में से 18 ने समुद्र में छलांग लगा दी।

उन्हें बचाया गया है। चार कर्मी अब भी लापता है। बताया जा रहा हैं कि जहाज अभी डूब नहीं है, लेकिन स्थिति गंभीर बनी हुई है। तटरक्षक बल के अनुसार घटना सोमवार तड़के करीब 40 नॉटिकल मील की दूरी पर कोझीकोड तट से हुई। जहाज पर विदेशी ध्वज है। संभवतः वह

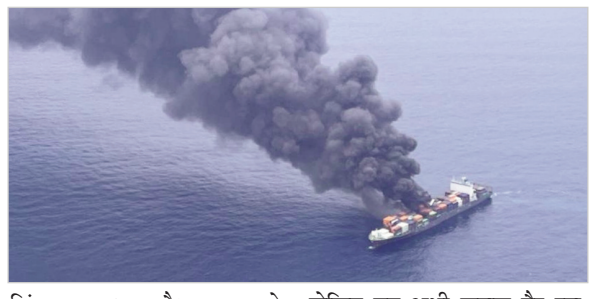

सिंगापुर का ध्वज है। आग लगने के कारण कई कंटेनर समुद्र में गिर गए, इससे पर्यावरणीय और मानवीय चिंताएं बढ़ गई हैं। तटरक्षक बल ने तुरंत बचाव जहाज और हेलीकॉप्टर तैनात किए और 18 कर्मियों को बचाव नावों में पहुंचाया गया है। शेष चार कर्मियों की तलाश और जहाज पर आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि आग और विस्फोटों के कारण जहाज का ढांचा क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन यह अभी जहाज तैर रहा है। इस बीच केरल के मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वे एर्नाकुलम और कोझीकोड जिला कलेक्टरों को आवश्यक तैयारियां करने के लिए कहें, ताकि अगर जहाज के कर्मियों को केरल तट पर लाया जाए, तब उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सके। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी है।

दोषी को दंड और निर्दोष को बचाना सही न्याय, यही भगवान की पूजा- प्रेमानंद

भोपाल।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने वृंदावन जाकर सुप्रसिद्ध संत स्वामी प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी प्रेमानंद जी महाराज ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा, धर्म और न्याय को एक ही मार्ग पर चलना चाहिए। न्याय करते समय दोषी को दंड देना और निर्दोष को बचाना यही न्याय का सच्चा मार्ग है। उन्होंने सचदेवा को आशीर्वाद देते हुए कहा, न्याय के कर्तव्य को पूजा समझकर भगवान को समर्पित करना यही सच्ची पूजा होती है। इसी से भागवत की प्राप्ति होती है। भगवान ने जो सेवा का पद दिया है। निडर और निस्वार्थ भाव से सेवा करेंगे, यही भगवान की सच्ची पूजा होगी। इसी से भगवान प्रसन्न होंगे। उल्लेखनीय है, मध्य प्रदेश के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा महाराज जी के पास आशीर्वाद लेने सपरिवार पहुंचे थे। महाराज जी से उनकी धर्म और न्याय के प्रति विस्तृत चर्चा हुई।

जासूस ज्योति मल्होत्रा को नहीं मिली राहत, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को अदालत ने फिर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनके मामले की सुनवाई 23 जून को फिर होगी। यह दूसरी बार है, जब जासूस ज्योति को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इसके पहले 26 मई को उन्हें चार दिन की पुलिस रिमांड पर रहने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। पिछले सप्ताह, एक अन्य यूट्यूबर जसबीर सिंह को पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

जसबीर कथित तौर पर ज्योति के संपर्क में था। पंजाब पुलिस के अनुसार, जसबीर सिंह पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा से निकटता से जुड़ा हुआ था, जो भारतीय मूल का व्यक्ति है और जिसके बारे में संदेह है कि वह इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए काम कर रहा है। सिंह, ज्योति मल्होत्रा के कथित तौर पर निकट संपर्क में था, जिसे पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पंजाब पुलिस ने सिंह की गिरफ्तारी के बाद दावा किया था कि बल ने एक 'आतंकवाद समर्थित जासूसी नेटवर्क' का पता लगाया है, जो आरोपी को पाकिस्तानी खुफिया और सेना के अधिकारियों से जोड़ता है। पुलिस ने बताया था कि यूट्यूबर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए कथित तौर पर जासूसी कर रहा था।

सिंधु जल संधि बहाल करने दुनिया के सामने दुखड़ा रो रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया।

भारत का ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ था, लेकिन पाकिस्तान ने भारत पर सैन्य कार्रवाई करके अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी मार ली। इसके बाद नकलची पाकिस्तान ने देखा कि भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटा रहा हैं, तब पाकिस्तान ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में अलग-अलग देशों में भेजा। इसी कड़ी में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क में अपना दुखड़ा रोने और झूठे शांति के ढकोसले दिखाने के बाद अब ब्रिटेन पहुंचा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का नौ सदस्यीय समूह ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों, सदस्य देशों के राजनयिकों और वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ बात की।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि हमारा संदेश स्पष्ट था कि पाकिस्तान शांति चाहता है। जिलानी ने कहा कि इस्लामाबाद सिंधु जल संधि सहित सभी मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए चाहता है। उनका ये बयान तब आया, जब भारत के पानी रोकने से पाकिस्तान में जलसंकट पैदा हो गया। दिलचस्प ये भी है कि पाकिस्तानी पीएम अपनी जीत का दावा कर रहे हैं और उनका डेलीगेशन भारत से वार्ता की भीख मांगता फिर रहा है।

प्रतिनिधि मंडल में सांसद खुर्रम दस्तगीर ने जल विवाद के क्षेत्रीय प्रभाव पर प्रकाश डाला और 1960 की विश्व बैंक की मध्यस्थता वाली संधि को बहाल करने का आह्वान किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है

हममें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।आंखें ना सिर्फ हमें रोशनी दे सकती हैं बल्कि हमारे मरने के बाद वह किसी और की जिंदगी में उजाला भी भर सकती हैं। लेकिन कुछ लोग अंधविश्वास के कारण, ऑय डोनेशन नहीं करते। उनका मानना हैं कि अगले जन्म में वे नेत्रहीन ना पैदा हो जाएं?। इस अंधविश्वास की वजह से दुनियां के कई नेत्रहीन लोगों को जिंदगी भर अंधेरे में ही रहना पड़ता है।

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

विश्व नेत्रदान दिवस 10 जून 2025 पर विशेष - नेत्रदान महादान)

वैश्विक स्तरपर पृथ्वी पर विचलित 84 लाख योनियों की काया में यूं तो सभी अंग महत्वपूर्ण है,परंतु हर जीव की आंखें एक ऐसा कुदरत का दिया हुआ अनमोल गिफ्ट है, जिससे पूरी खूबसूरत दुनियाँ को सभी जीव देख सकते हैं, खास करके विशेष अद्भुत बुद्धिजीवी मानव योनि के लिए आंखें तो मानो एक खूबसूरत अद्भुत अंग है जिसके द्वारा वह जीते जी तो अपने परिवार साथियों सहित पूरी दुनियाँ को तो देख सकता है परंतु वह चाहे तो मृत्यु के बाद भी अपनी इन दोनों खूबसूरत आंखों से पूरी दुनियाँ को देख सकता है,बस फर्क केवल इतना है, अपना शरीर त्यागने के बाद वह दूसरे के शरीर से खूबसूरत दुनियाँ को देख सकता है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 10 जून 2025 को विश्व नेत्रदान दिवस है, इसलिए हमें समझना होगा कि,आँखों और दृष्टि का हमारें जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। यदि व्यक्ति के जीवन में दृष्टि न हो तो उसके जीने का कोई मतलब ही नहीं होता और उसे प्रत्येक कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे तो सभी आंखों के महत्व को समझते हैं और इसीलिए इसकी सुरक्षा भी सभी बड़े पैमाने पर करते हैं। हममें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।आंखें ना सिर्फ हमें रोशनी दे सकती हैं बल्कि हमारे मरने के बाद वह किसी और की जिंदगी में उजाला भी भर सकती हैं। लेकिन कुछ लोग अंधविश्वास के कारण, ऑय डोनेशन नहीं करते। उनका मानना हैं कि अगले जन्म में वे नेत्रहीन ना पैदा हो जाएं?। इस अंधविश्वास की वजह से दुनियां के कई नेत्रहीन लोगों को जिंदगी भर अंधेरे में ही रहना पड़ता है। सभी लोगोंको इस बात को समझना होगा और नेत्रदान अवश्य करना चाहिए।हमारा एक सही फैसला लोगों के जिंदगी में उजाला ला सकता हैं।चूँकि नेत्रदान महादान है व नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ अपनी आंखें दान करने का संकल्प लेकर अपनी जिंदगी के बाद दूसरों की दुनियाँ रोशन करें, आत्मा की खिड़की रूपी आंखों को मृत्यु के बाद भी जीवित रखें।

साथियों बात अगर हम भारत में दृष्टिहीन या नेत्रहीन बांधवों का कॉर्नय प्रत्यर्पण कर 1 वर्ष में ही भारत को अंधत्व मुक्त भारत बनाने में सहयोग की करें तो, एक आंकड़े के अनुसार भारत में लगभग 1.25 करोड़ लोग दृष्टिहीन हैं, जिसमें करीब 30 लाख व्यक्ति नेत्र प्रत्यारोपण के माध्यम से नवदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं, आकलन बताता है कि एक वर्ष में देश में जितने लोगों की मृत्यु होती है, अगर सभी के नेत्रों का दान हो जाए तो देश के सभी नेत्रहीन लोगों को एक ही साल में आंखें मिल जाएंगी, मगर लोग नेत्रदान करते नहीं हैं और कार्निया प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची लंबी होती जाती हैं,कोरोना काल में तो नेत्रदान की संख या और कम हो गई थी,खतरा केवल यही नहीं है, अपनी लापरवाही के कारण दुनियाँ धीरे-धीरे अंधत्व की तरफ बढ़ रहीहै,विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद कॉर्निया की बीमारियां (आंखों की अगली परत कार्नियाका क्षतिग्रस्त होना) आंखों की रोशनी जाने की प्रमुख वजहें हैं,अंधत्व की समस्या से गुजर रहे 92.9 पेर्सेंट लोगों को अंधा होने से बचाया जा सकता है,इसे प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस यानी रोका जा सकने वाला अंधत्व भी कहा जाता है,लेकिन मानवीय आदतों,जरूरत होनेपर भी आंखों का चश्मा नहीं लगाना, मोतियाबिंद का ऑपरेशन नहीं करवाना और ग्लूकोमा की समय-समय पर जांच नहीं करवाने, कंप्यूटर और मोबाइल पर ज्यादा काम करने से अधिकांश लोगों की आंखों को नुकसान पहुंच रहा है, बदलती लाइफस्टाइल,अनियमितदिनचर्या प्रदूषण और बहुत ज्यादा स्ट्रेस होने की वजह से ज्यादातर लोग आंख से जुड़ी समस्याओं का शिकार होने लगे हैं,ऑन लाइन क्लासेस और कंप्यूटर का इस्तेमाल बढ़ने से बच्चों और युवाओं की आंखों में सूखेपन की समस्या बढ़ी है।आज देश के कई नेत्रहीनों को हमारी आंखें नई रोशनी दे सकती हैं,मगर इसके लिए सबसे पहले हमें जीवित रहते हुए अपनी आंखों और उनकी रोशनी का ध्यान रखना और मृत्यु उपरांत नेत्रदान करना जरूरी है, जिस तरह से हमारी दिनचर्या बिगड़ रही हैं, हमें अपनी आंखों की देखभाल करने के लिए कुछ कार्य जरूर करना चाहिए जैसे, अच्छी दृष्टि के लिए संतुलित आहार का सेवन करें, अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों, अंडे, फलियों एवं गाजर को अधिक से अधिक मात्रा में शामिल करें, आंखों की सुरक्षा के जतन करें, आंखों के बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अपनी आंखों की नियमित जांच कराएं,यदि हम कंप्यूटर और मोबाइल पर लंबे समय तक काम करते हैं तो आंखों का सूखापन बढ़ सकता है। साथियों बात अगर हम नेत्रदान की प्रक्रिया व पात्रता को समझने की करें तो,भारत में नेत्रदान की प्रक्रिया कैसे काम करती है?भारत में नेत्रदान की प्रक्रिया सरल है। (1) नेत्रदान की ओर पहला कदम किसी पंजीकृत नेत्र बैंक में नेत्रदान प्रतिज्ञा पत्र पर हस्ताक्षर करना है। (2) नेत्र बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए फॉर्म में अपनी सभी जानकारी भरें। (3) इसके बाद,और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने प्रियजनों को अपने निर्णय के बारे मेंसूचित करें ताकि वे जान सकें कि हमारी मृत्यु के बाद किसे फोन करना है (क्योंकि आंख निकालने की प्रक्रिया मृत्यु के लगभग तुरंत बाद होनी चाहिए)। (4) स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर अपनी आंखों की देखभाल करें ताकि दान के समय वे अच्छी स्थिति में हों। (5) यदि हमने नेत्रदान करने का संकल्प लिया है, तो सुनिश्चित करें कि हमारे प्रियजन मृत्यु के 6 घंटे के भीतर नेत्र बैंक को दान के लिए संपर्ककरें।उन्हेंनिम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करना होगा-(1) निकटतम नेत्र बैंक को कॉल करें। जितनी जल्दी हम कॉल करेंगे, उतना बेहतर होगा। (2) मृत व्यक्ति की दोनों आंखें बंद रखें तथा सूखने से बचाने के लिए नम रुई से ढक कर रखें। (3) हम शव को हवा से दूर बंद कमरे में रख सकते हैं, तथा सुनिश्चित कर सकते हैं कि पंखा बंद हो। (4) यदि संभव हो तो शरीर के ऊपरी आधे हिस्से को लगभग 6 इंच ऊपर उठाएं। (5) जब उपयुक्त कर्मचारी आएं,तो उन्हें आंखें निकालने में 20 मिनट से ज्यादा समय नहीं लेनाचाहिए। वे यह भी सुनिश्चित करते हैं कि आंख निकालने के कोई भी निशान न रह जाएं।नेत्रदान के लिए कौन पात्र है? सभी उम्र और लिंग के लोग नेत्रदान के लिए पात्र हैं। यहां तक कि मायोपिया और हाइपरोपिया जैसी अपवर्तक त्रुटियों वाले लोग या मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने वाले लोग, उच्च रक्तचाप जैसी अन्य समस्याओं वाले लोग भी अपनी आंखें दान कर सकते हैं। कौन अपनी आंखें दान नहीं कर सकता?

जिन लोगों को संक्रामक रोग हैं,वेअपनी आंखें दान नहीं कर सकते। नेत्र बैंक के कर्मचारी ऐसी आंखों का उपयोग करने से पहले इन बीमारियों की जांच करते हैं। ये कर सकते हैं नेत्रदान,अधिकतर मामलों में हर कोई नेत्रदान कर सकता है,इसमें ब्लड ग्रुप, आंखों के रंग, आई साइट, साइज, उम्र, लिंग आदि से कोई फर्क नहीं पड़ता है, डोनर की उम्र, लिंग, ब्लड ग्रुप को कॉर्नियल टीशू लेने वाले व्यक्ति से मैच करने की कोई आवश्यकता नहीं होती है,जिन रोगियों ने मोतियाबिंद, काला पानी या अन्य आंखों का ऑपरेशन करवाया है, वे भी नेत्रदान कर सकते हैं, नजर का चश्मा पहनने वाले, मधुमेह, अस्थमा, उच्च रक्तचाप और अन्य शारीरिक विकारों जैसे सांस फूलना, हृदय रोग, क्षय रोग आदि के रोगी भी नेत्रदान कर सकते हैं। कौन नहीं कर सकता नेत्रदान-कई सारे गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्ति नेत्रदान नहीं कर सकते हैं,जैसे एड्स, हैपेटैटिस, पीलिया, ब्लड कैन्सर, रेबीज (कुत्ते का काटा), सेप्टीसिमिया, गैंगरीन, ब्रेन ट्यूमर, आंख के आगे की काली पुतली (कार्निया) की खराबी हो, जहर आदि से मृत्यु हुई हो या इसी प्रकार के दूसरे संक्रामक रोग हों, तो इन्हें नेत्रदान की मनाही होती है-नेत्रदान करने की सावधानी (1) परिवार वालों को जितना जल्दी हो सके नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी करवानी चाहिए,आंखों को डोनेट के बाद जल्द से जल्द ट्रांसप्लांट कर दिया जाता है। (2) यदि समय लगता है तो कॉर्निया को कोल्ड स्टोरेज में रखा जाता है जहां से 7 दिनों के अंदर उसका इस्तेमाल कर लिया जाता है।(3) नेत्रदान सरल और आसान प्रक्रिया है, इसमें महज 10 से 15 मिनट का समय लगता है।(4) मृत्यु के बाद नेत्रदान करने के लिए डोनर के परिवार की ओर से आईबैंक में जाकर फॉर्म भरा जाता है। (5) फॉर्म भरने के बाद पंजीकरण किया जाता है,उसके बाद कार्ड भराजाता है।(6) ये पंजीकरण आप मृत्यु से पहले भी करवा सकते हैं ताकि मृत्यु के बाद आपकी आंखों को दान किया जा सके। (7) डोनर के परिवार वालों के निकटतम आईबैंक में टीम को सूचित करना होता है इसके बाद टीम कॉर्निया निकालने की प्रक्रिया पूरी करती है। (8) मृत्यु के बाद आंखों को निकालने से चेहरे पर कोई निशान नहीं बनता है। गुप्त रखी जाती है जानकारी- (1)कोई भी व्यक्ति आई डोनर तभी हो सकता है, जब उसकी मृत्यु हो गई हो यानी नेत्रदान केवल मृत्यु के बाद ही किया जाता है।(2) नेत्रदान के लिए उम्र की कोई सीमा तय नहीं होती, कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है। (3) नेत्रदान करने वाले डोनर और जिस मरीज को आंखें दी जा रही हैं, उन दोनों की जानकारी गुप्त रखी जाती है।(4) मृत्यु के बाद परिवार का कोई भी सदस्य नेत्रदान कर सकता है।(5) नेत्रदान में किसी भी परिवार को न तो भुगतान करना होगा और न ही उन्हें इसके बदले में कोई पैसे मिलेंगे।

संपादकीय

गरीबी में कमी

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि कही जा सकती है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। इसमें दो राय नहीं कि वैश्वीकरण और उदारीकरण की नीतियों से देश में आर्थिक असमानता को बढ़ावा मिला है। वहीं तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने एक छोटे वर्ग को असंगत रूप से लाभान्वित किया है। निश्चित रूप से नई आर्थिक नीतियों की विसंगतियों से उपजे असमान परिदृश्य में लाखों लोग गरीबी की रेखा से ऊपर तो उठ गए,लेकिन वे बीमारी, नौकरी छूटने या जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं जैसे संकटों के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं। आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाली आबादी के बड़े हिस्से के लिये यह खतरा बना हुआ है। एक मजबूत सुरक्षा कवच का अभाव इस संकट की संवेदनशीलता को बढ़ा देता है। भारत के विकास की गाथा तभी लिखी जा सकती है, जब हम इस असमानता की खाई को पाटकर गरीबी को कम करने की दिशा में आगे बढ़ें। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान,समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। निर्धन आबादी के लिये जनकल्याण की योजनाएं जरूर चलायी जानी चाहिए, लेकिन एक वक्त के बाद सरकारी सहायता पर उनकी निर्भरता को कम करना भी उतना ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, शिक्षा के प्रसार से इस वर्ग की उत्पादकता बढ़ाने की भी कोशिश की जानी चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

भीड़ में फंसा प्रबंधनः जिम्मेदार कौन ?

(लेखिका - सोनम लववंशी)

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऐतिहासिक जीत का जश्न जिस हर्षोल्लास से शुरू हुआ, वह कुछ ही पलों में भगदड़ और चीख-पुकार में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर उमड़े लाखों समर्थकों का हुजूम एक बार फिर उस कटु यथार्थ को सामने ले आया जिसे हम बार-बार अनदेखा करते रहे हैं—भीड़ प्रबंधन में हमारी विफलता। घायल लोगों की चीखें, रुंधती सांसें और कुछ की थमती धड़कनें सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थीं, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता की परछाई थीं, जो हर बार चेतावनी के बावजूद सचेत नहीं होती। सवाल वही पुराना है कि आख़िर जिम्मेदार कौन? क्योंकि 'भीड़' एक ऐसा शब्द है जो सुनने में सामान्य लगता है, लेकिन जब यह नियंत्रण से बाहर हो जाए तो एक भयावह शक्ति बन जाती है। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या का घनत्व हर क्षेत्र में साफ दिखता है, वहां हर बड़ा आयोजन, चाहे वह धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो या राजनीतिक, संभावित खतरे का पर्याय बन चुका है। मगर हैरानी इस बात की है कि हर बार, हर हादसे के बाद, हम एक जैसे सवाल पूछते हैं और फिर सबकुछ धीरे-धीरे भुला दिया जाता है।

कोई भी भीड़ अचानक नहीं बनती। वह किसी उद्देश्य, भावना या आस्था के तहत एकत्र होती है। परंतु त्रासदी तब जन्म लेती है जब उसे नियंत्रित करने वाली व्यवस्थाएं या तो लचर होती हैं या पूरी तरह अनुपस्थित। हमारे देश में ऐसे आयोजन जिनमें भीड़ की संभावना पहले से होती है, उनके लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई जाती या बनाई भी जाती है तो उसका पालन नहीं होता। प्रशासकीय योजनाएं फाइलों में सिमट जाती हैं, और धरातल पर मौजूद सुरक्षाकर्मी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार नहीं होते। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आयोजक खुद भीड़ को केवल एक संख्या के रूप में देखते हैं लाखों लोग आए थे कहने की होड़ में वे यह भूल जाते हैं कि इन लाखों के पीछे उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे न तो प्रवेश और निकासी के मार्गों की योजना बनाते हैं, न स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं और न ही किसी अनहोनी के लिए वैकल्पिक इंतज़ाम। वहीं प्रशासन कई बार या तो उदासीन बना रहता है या राजनीतिक दबाव में चुप्पी साध लेता है। आम नागरिक भी इस विफलता का हिस्सा हैं। वे आयोजन में भाग लेने को केवल एक सामूहिक उत्सव मानते हैं, जहां अनुशासन की कोई आवश्यकता नहीं समझी जाती। भीड़ में एक अफवाह, एक धक्का या एक अधीरता सैकड़ों जानों के लिए खतरा बन सकती है, पर यह चेतना अधिकांश लोगों में नहीं होती। सामूहिक जिम्मेदारी की इस कमी ने भीड़ को एक जीवंत, लेकिन बेकाबू शक्ति बना दिया है।

तकनीक के इस युग में कहने को तो हमारे पास तमाम साधन हैं स्मार्टफोन, ड्रोन, सीसीटीवी, डेटा एनालिसिस लेकिन इनका उपयोग आमजन की सुरक्षा में कम और वीआईपी प्रोटोकॉल में ज्यादा होता है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जहां एक ओर हम अंतरिक्ष में कदम रख चुके हैं, वहीं अपने ही देश में एक मेला या सभा सुरक्षित नहीं बना पाए हैं? हर बार हादसे के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, कुछ नामों पर उंगलियाँ उठती हैं, फिर सब कुछ शांत हो जाता है। मृतकों की संख्या एक सरकारी आँकड़ा बन जाती है और उनके परिजन कुछ सहानुभूति भरे बयानों और मुआवज़े के चेक के साथ अकेले छोड़ दिए जाते हैं। कोई यह नहीं पूछता कि अगली बार ऐसा न हो, इसके लिए क्या बदला गया? भीड़ प्रबंधन सिर्फ प्रशासन का दायित्व नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक दायित्व है आयोजकों, पुलिस, नगर निकायों, स्वास्थ्य सेवाओं और सबसे बढ़कर, जनता की साझा जवाबदेही। जब तक हम इसे सिर्फ एक रूटीन या रस्म के तौर पर लेते रहेंगे, हादसे होते रहेंगे। भगदड़ महज़ अफवाहों से नहीं, बल्कि अव्यवस्था से जन्म लेती है।

आयोजनों को भव्यता की दौड़ से निकालकर विवेक और मानवीय गरिमा के दायरे में लाना अब अनिवार्य है। हर आयोजन के लिए एक स्वतंत्र निगरानी प्राधिकरण की स्थापना होनी चाहिए, जो केवल सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए उत्तरदायी हो। साथ ही नागरिकों को प्रशिक्षित और जागरूक किया जाना चाहिए कि वे भीड़ में संयम बनाए रखें, अफवाहों से बचें और ज़रूरत पड़ने पर सूझ-बूझ से काम लें। अगर हमने अब भी नहीं सीखा, तो हर आयोजन एक अनहोनी में बदलता रहेगा। हम तय करें कि हमें जश्न चाहिए या जन-संहार? जिम्मेदारी तय करनी होगी, योजनाओं को जमीन पर उतारना होगा और भीड़ को संख्या नहीं, जीवन के रूप में देखने की आदत डालनी होगी। वरना हर आयोजन एक आशंका बन जाएगा, हर तीर्थ एक संकट, और हर मेला एक शोकसभा।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं।

तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परिव्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।

विचार मंथन

सत्यपाल मलिकः मैं रहूं या ना रहूं, सच्चाई बयां कर रहा हूँ

(लेखक-सनत कुमार जैन)

पूर्व केंद्रीय मंत्री और जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक इन दोनों राम मनोहर लोहिया अस्पताल में किडनी का इलाज करा रहे हैं।वह लगातार डायलिसिस पर हैं। सीबीआई ने उनके खिलाफ मुकदमा दायर कर चार्ज शीट प्रस्तुत कर दी है। सीबीआई पूँछ तांछ के नाम पर उनको लगातार परेशान कर रही है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उनके इलाज को लेकर जिस तरह की सजगता बरती जानी चाहिए। उसमें लापरवाही हो रही है, ऐसा उनकी पोस्ट से लग रहा है। अस्पताल में रहते हुए उन्होंने सरकार और सीबीआई को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सरकार और सीबीआई को अब जवाब देते नहीं बन रहा है। जो अपराध उनसे हुआ ही नहीं है। उसमें वह कैसे दोषी हो सकते हैं?अस्पताल से उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट लिखी है। जिसमें उन्होंने लिखा है, मेरी हालत बहुत गंभीर है। मैं पिछले एक महीने से अस्पताल में भर्ती हूं। किडनी की समस्या से जूझ रहा हूं। फिर से मुझे आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। मेरी हालत दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। मैं रहूं या ना रहूं, देशवासियों को सच्चाई जरूर बताना चाहता हूं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा,जब वह गवर्नर थे।उन्हें 150-150 करोड रुपए की रिश्वत की पेशकश की गई थी। उनके द्वारा उस पेशकश को अस्वीकार किया। इसकी सूचना प्रधानमंत्री को तुरंत कर दी थी। जब मैं गवर्नर था, इस समय किसान आंदोलन चल रहा था। मैंने किसानों के बीच जाकर उनके आंदोलन का समर्थन किया। जिन लोगों ने फाइल को क्लीयर करने के लिए दबाव बनाया था। उसकी शिकायत प्रधानमंत्री को उसी समय कर दी थी। उसके बाद से ही मुझे परेशान किया जा रहा है। महिला पहलवानों के आंदोलन को मेने अपना समर्थन दिया। पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों के मामले को उठाया। उसकी आज तक सरकार ने कोई जांच नहीं करवाई। सरकार ने मुझे सीबीआई का डर दिखाकर झूठे मामले में फसाने के लिए चार्जशीट दाखिल की है। जिस टेंडर को मैंने खुद निरस्त किया था। प्रधानमंत्री को बताया था। उसके बाद मेरा तबादला किया गया। सत्यपाल मलिक ने अपनी पोस्ट में लिखा है। सरकार ने मुझे बदनाम करने में पूरी ताकत लगा दी है। उन्होंने सरकारी एजेंसी से अनुरोध किया है। उनका 50 साल से अधिक का राजनीतिक जीवन है। उन्होंने बड़े-बड़े पदों पर सेवा की है। वर्तमान में एक कमरे के मकान में रह रहा हूं। मेरे ऊपर कर्ज है। यदि मेरे पास धन दौलत होती, तो मैं अपना इलाज कम से कम अच्छे प्राइवेट अस्पताल में कराता। सत्यपाल मलिक बड़े जुझारू नेता हैं। उन्होंने हमेशा नैतिकता की राजनीति की है। वह डरकर कोई भी काम नहीं करते हैं। उन्होंने पोस्ट में अपने गुरु पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह का भी उल्लेख किया है। जिस तरह से उनके ऊपर आरोप लगाए गए हैं। उनकी तबीयत खराब है। वह अस्पताल में भर्ती हैं। जिसके कारण उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट लिखकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है।उनकी वर्तमान हालत को देखते हुए इस पोस्ट को एक हिसाब से उनका मृत्यु पूर्व बयान भी कह सकते हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में जिस तरह की आशंका जताई है, उससे यही भावना प्रगट होती है। प्रधानमंत्री से जब सत्यपाल मलिक ने शिकायत की थी। उस समय उन्होंने संघ के एक प्रचारक का नाम लेते हुए कहा था। उन्होंने दोनों फाइलों को क्लियर करने के लिए दबाब बनाया था। उन्होंने उनकी बात नहीं मानी थी। जिसका खामियाजा उन्हें अब भुगतना पड़ रहा है। वह अपनी छवि को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने हमेशा नैतिकता को सर्वोच्चता पर रखते हुए राजनीति की है। सीबीआई जांच के नाम पर मामले को लटका कर सरकार उन्हें बदनाम कर रही है। जिस मामले की शिकायत उन्होंने खुद की है। उस मामले में उन्हें फंसाने और भ्रष्टाचारी बताने की कोशिश सरकार कर रही है। इसको लेकर सत्यपाल मलिक व्यथित हैं। एक्स पर पोस्ट लिखने के बाद सत्यपाल मलिक ने अपनी ईमानदारी का परिचय दिया है। उसके बाद से यह मामला तूल पकड़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.67 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के दौरान सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में आधा फीसदी की बड़ी कटौती से शुरुआत में रुपये को कुछ फायदा हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.61 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि, बाद में यह चार पैसे के नुकसान के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर आ गया। शुक्रवार को रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 99.02 पर कारोबार कर रहा था।

एक रुपए के सिक्के की लागत उसकी कीमत से काफी अधिक- रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारतीय मुद्रा प्रणाली में एक रुपये के सिक्के की लागत उसकी कीमत से काफी अधिक होती है। रिजर्व बैंक के अनुसार हर एक रुपये के सिक्के बनाने में सरकार को करीब 1.11 रुपये का नुकसान होता है। यह मामला सिर्फ एक रुपये तक ही सीमित नहीं है। दूसरे सिक्कों की लागत भी उनकी कीमत से अधिक होती है। भारत सरकार मुख्य रूप से मुंबई और हैदराबाद में सिक्कों का निर्माण करती हैं। एक रुपये का सिक्का स्टेनलेस स्टील से बनाया जाता है, जिसका वजन करीब 3.76 ग्राम, व्यास 21.93 मिमी, और मोटाई 1.45 मिमी होती है। यह सिक्का वर्षों तक उपयोग में रह सकता है, जिससे इसकी टिकाऊ प्रकृति साफ झलकती है। सरकार को हर सिक्के पर घाटा हो रहा है फिर भी इनका निर्माण जारी रखती है क्यों कि सिक्के नोटों की तुलना में काफी ज्यादा समय तक चलते हैं। जहां नोटों को कुछ सालों में बदलना पड़ता है, वहीं सिक्के दशकों तक प्रचलन में रहते हैं। यानी एक बार लागत जरूर आती है, लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह ज्यादा किफायती और व्यवहारिक साबित होता है।

कच्चा तेल 5,469 रुपए प्रति बैरल

नई दिल्ली।

हाजिर बाजार में कमजोर मांग को देखते हुए कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया, जिससे सोमवार को कच्चे तेल का वायदा भाव हल्की गिरावट लेकर 5,469 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई डिलिवरी वाले कच्चे तेल का भाव एक रुपये की गिरावट के साथ 5,469 रुपये प्रति बैरल पर आ गया, जिसमें 6,210 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदे कम करने के बाद कच्चे तेल की वायदा कीमतों पर असर पड़ा। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.54 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि ब्रेंट क्रूड न्यूयॉर्क में मामूली रूप से 0.08 डॉलर गिरकर 66.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

धनिया का भाव 48 रुपए महंगा

नई दिल्ली।

हाजिर बाजार में मांग बढ़ने से कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे सोमवार को वायदा कारोबार में धनिया की कीमत 48 रुपये बढ़कर 7,162 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। एनसीडीईएक्स में जून डिलिवरी वाले धनिया अनुबंध की कीमत 48 रुपये अथवा 0.67 प्रतिशत बढ़कर 7,162 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिसमें 13,885 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख तथा उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण धनिया कीमतों में तेजी आई।

चीन से रोक के बाद भारत अब मैग्नेट आयात के तलाश रहा वैकल्पिक स्रोत

चीन ने सात भारी और मध्यम दुर्लभ खनिज और मैग्नेट के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली।

चीन से आपूर्ति में व्यवधान की वजह से भारत अब मैग्नेट आयात करने के वैकल्पिक स्रोत की तलाश कर रहा है।

एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि फिलहाल कोई अस्थायी घरेलू विकल्प मौजूद नहीं होने की वजह से यह कवायद की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर लगाए गए भारी जवाबी शुल्क के बाद चीन ने 4 अप्रैल से सात भारी और मध्यम दुर्लभ खनिज और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें सैमेरियम, गैडोलीनियम, टेरबियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैनडियम और यिट्रिटियम शामिल हैं, जिनका उपयोग रक्षा, ऊर्जा और वाहन में किया जाता है।

चीनी कंपनियों को अब इनके निर्यात के लिए रक्षा लाइसेंस प्राप्त करने की जरूरत है। हालांकि, भारत ने यह आश्वासन दिया था कि इन मैग्नेट का उपयोग रक्षा विनिर्माण में नहीं होगा, बल्कि केवल वाहन विनिर्माताओं द्वारा घरेलू उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

फिर भी चीन इन मैग्नेट के संभावित सैन्य उपकरणों में प्रयोग और अमेरिका को निर्यात के बारे में चिंतित है। संभावित देशों के नाम नहीं जाहिर करते हुए अधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार इस मसले को हल करने के लिए चीन के साथ बातचीत कर रही है।

मगर इसके अलावा भी हम व्यवहार्य विकल्पों पर विचार कर हैं, क्योंकि कोई घरेलू विकल्प मौजूद नहीं है। उल्लेखनीय है कि चीन के पास दुनिया का करीब आधा दुर्लभ भंडार है, 70 फीसदी निष्कर्षण क्षमता और 90 फीसदी प्रसंस्करण क्षमता है।

टाटा स्टील अपने यूके प्लांट में कम कार्बन उत्सर्जन वाला ईएएफ लगाएगा

नया प्लांट रीसाइकल किए गए स्क्रैप का उपयोग करेगा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील ने अपने यूके स्थित पोर्ट टालबोट प्लांट में कम कार्बन उत्सर्जन वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) लगाने की योजना बनाई है। यह प्लांट जुलाई 2025 से बनना शुरू होगा और 2027 तक इसका संचालन शुरू हो जाएगा। कंपनी ने अपनी वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार यह नया प्लांट रीसाइकल किए गए स्क्रैप का उपयोग करेगा और इससे 90 फीसदी तक साइट पर कार्बन उत्सर्जन में कटौती संभव होगी। सालाना 3.2 मिलियन टन कम-उत्सर्जन स्टील उत्पादन की क्षमता वाले इस प्रोजेक्ट से अगले 10 वर्षों में 50 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। कंपनी ने बताया कि यह बदलाव लागत को काबू में रखने की रणनीति के साथ किया जा रहा है। टाटा स्टील का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 25 में 762 मिलियन के फिक्स्ड कॉस्ट को अगले साल 540 मिलियन तक घटा दिया जाए।

एयरटेल ने डिजीटल धोखाधड़ी रोकने आरबीआई और एनपीसीआई को पत्र लिखा

मुंबई।

भारती एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए 40 बैंकों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को पत्र लिखा है। इसमें एयरटेल ने कहा है कि उसने एक ऐसा डेटाबेस तैयार करने की योजना बनाई है, जिसमें धोखाधड़ी वाले वित्तीय डोमेन की जानकारी होगी। इसके अलावा एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और सुरक्षित डिजिटल कामकाज को बढ़ावा देने का प्रस्ताव भी रखा है। एयरटेल ने 15 मई को एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था, जो धोखाधड़ी वाली वेबसाइट्स को रीयल-टाइम में ब्लॉक करता है। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है। इसे सबसे पहले हरियाणा में शुरू किया गया है और जल्द ही इसे पूरे भारत में लागू किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल, वेब ब्राउजर और एसएमएस जैसे कई संचार माध्यमों पर काम करता है। एयरटेल ने एनपीसीआई को पत्र लिखकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का प्रस्ताव दिया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

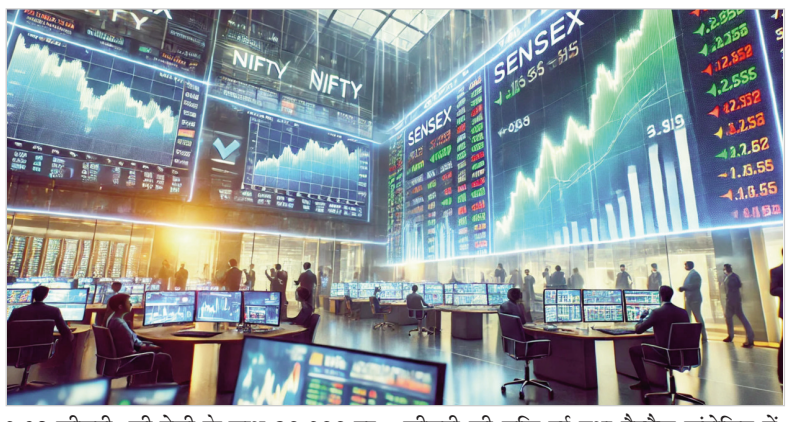

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, फाइनेंस, एनर्जी और आई टी शेयरों में आई तेजी से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 256 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,445.21 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई पर निफ्टी 0.40 फीसदी बढ़कर 25,103.20 पर बंद हुआ.

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, एमएंडएम, भारती एयरटेल के शेयर नुकसान में रहे। रियल्टी के अलावा शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए. जिनमें आईटी, पीएसयू बैंक 1-1 फीसदी ऊपर रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार में उत्साह का माहौल आरबीआई के रेपो दर में 50 आधार अंकों और सीआरआर में 100 आधार अंकों की कटौती करने के कारण दुनिया भर के बाजारों में पड़े प्रभाव से आया है। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.92 फीसदी की तेजी के साथ 38,088 पर और कोरिया का कोस्पी 1.55 फीसदी बढ़कर 2,855 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.63 फीसदी की बढ़त के साथ 24,181 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 फीसदी की तेजी के साथ 3,399 पर बंद हुआ। ऑस्ट्रेलियाई बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि पेरोल डेटा ने आर्थिक मंदी की आशंकाओं को कम करने के चलते वॉल स्ट्रीट में तेजी आई। डाऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.05 फीसदी की वृद्धि हुई, एसएंडपी 500 में भी 1.03 फीसदी की वृद्धि हुई तथा नैस्डैक कंपोजिट में 1.20 फीसदी की तेजी आई।

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। रिजर्व बैंक के रेपो रेट में 0.5 फीसदी की बड़ी कटौती और कैश रिजर्व रेश्यो घटाने के फैसले का भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,574.55 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी देखी गई। शुरुआत के बाद यह 314.82 अंक बढ़कर 82,503.81 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 25 हजार के पार खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 91.05 अंक की बढ़त लेकर 25,111 पर कारोबार कर रहा था।

सोने-चांदी के भाव में गिरावट!

सोने का भाव गिरकर 96400 रुपए, चांदी 1 लाख के पार

नई दिल्ली।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को कारोबार के शुरुआत में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। चांदी के भाव मामूली तेजी के साथ खुलने के बाद लुढ़क गए। सोने के भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 96,860 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,036 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 638 रुपये की गिरावट के साथ 96,398 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट एक रुपये की मामूली तेजी के साथ 1,05,460 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,459 रुपये था। इस समय यह 220 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,239 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद लुढ़क गए। सोने की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,333.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,346.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 27.50 डॉलर की गिरावट के साथ 3,319.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स

पर चांदी के वायदा भाव 36.16 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.13 डॉलर था। इस समय यह 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 36.11 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। खबर लिखे जाने के समय कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.26 डॉलर के भाव पर दिन के और इस साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए।

चीन के निर्यात में तेजी, अमेरिका के साथ व्यापार में आई कमी

बीजिंग।

मई महीने में चीन के निर्यात में वृद्धि दर्शाती हुई रिपोर्ट जारी की गई है। इसके विपरीत चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम है, जैसा कि विभागीय आंकड़ों से पता चला है। चीन के निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत बढ़ गया है, जबकि चीन के आयात में 3.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इस समय चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा है, जबकि चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत घटकर 10.8 अरब डॉलर हुआ है। अप्रैल में वृद्धि के बाद, मई महीने में चीन के वैश्विक निर्यात में धीमी गति देखने को मिल रही है। आगामी सोमवार, ब्रिटेन में चीन और अमेरिका के बीच एक वार्ता होगी, जिसमें चीनी उप-प्रधानमंत्री हुई लेइफेंग भाग लेंगे। साथ ही अमेरिका की टीम में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक, और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर भी शामिल होंगे। पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच एक अच्छी बातचीत हुई थी। इसे एक सकारात्मक माना गया था।

एयरटेल ने आरबीआई, एनपीसीआई से डिजिटल पेमेंट को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने 40 बैंकों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को पत्र लिखा है।

इसमें एयरटेल ने दावा किया है कि उसने एक ऐसा डेटाबेस तैयार करने की योजना बनाई है, जिसमें धोखाधड़ी वाले वित्तीय डोमेन की जानकारी होगी। इसके अलावा, एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और सुरक्षित डिजिटल कामकाज को बढ़ावा देने का प्रस्ताव भी रखा है।

एयरटेल ने 15 मई को एआई आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था, जो धोखाधड़ी वाली वेबसाइट्स को रीयल-टाइम में ब्लॉक करता है। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है।

इसे सबसे पहले हरियाणा में शुरू किया गया और जल्द ही इसे पूरे भारत में लागू किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल, वेब ब्राउजर और एसएमएस जैसे कई संचार माध्यमों पर काम करता है।

एयरटेल ने एनपीसीआई को पत्र लिखकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का प्रस्ताव दिया है। कंपनी के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने एनपीसीआई के सीईओ को लिखे पत्र में कहा गया है कि दोनों संस्थान मिलकर धोखाधड़ी वाले डोमेन का डेटाबेस बना सकते हैं, जिससे ऐसी वेबसाइट्स को पहले ही ब्लॉक किया जा सके। इसके साथ ही, एयरटेल ने जागरूकता अभियान और वर्कशॉप के जरिए लोगों को फिशिंग और अन्य डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने की योजना बनाई है।

आरबीआई को लिखे पत्र में केंद्रीय बैंक के मुलेहंटरएआई सिस्टम की तारीफ की, जो अवैध लेनदेन वाले खातों की पहचान करता है। उन्होंने कहा कि एयरटेल का फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम इस पहल को और मजबूत कर सकता है। कंपनी ने ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म्स पर धोखाधड़ी के जोखिमों को लेकर चिंता जताई और सुझाव दिया कि वित्तीय लेनदेन सुरक्षित टेलीकॉम नेटवर्क पर ही होने चाहिए। एयरटेल ने रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया को भी टेलीकॉम धोखाधड़ी रोकने के लिए संयुक्त पहल का प्रस्ताव दिया था। बता दें देश में 2024 के पहले नौ महीनों में 1.7 मिलियन साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 11,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ।

नई सीपीआई सीरीज में ऑनलाइन बाजार का भी होगा डेटा

नई दिल्ली।

संशोधित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए ज्यादा बाजारों से मूल्य संबंधित आंकड़े जुटाए जाएंगे। फिलहाल देश भर में 2,300 बाजारों से इस तरह के आंकड़े जुटाए जाते हैं जिनकी संख्या बढ़ाकर 2,900 की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। यही नहीं नई सीपीआई श्रृंखला में ऑनलाइन बाजार का भी डेटा होगा। फिलहाल राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के क्षेत्रीय संचालन प्रकोष्ठ द्वारा चुने गए 1,181 गांवों और 310 शहरों-कस्बों के 1,114 बाजारों से मासिक मूल्य के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। फरवरी 2026 में पेश की जाने वाली नई श्रृंखला 25 लाख से अधिक आबादी वाले 12 शहरों के ऑनलाइन बाजारों से भी मूल्य संबंधी आंकड़े जुटाएगी। अधिकारी ने कहा कि भौतिक बाजारों की संख्या करीब 25 फीसदी बढ़ाई जा रही है, साथ ही हम 12 प्रमुख आबादी वाले शहरों में ऑनलाइन मूल्य के आंकड़े एकत्र करेंगे, जिससे हमें ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रचलित कीमतों का पता चलेगा। 2011 की जनगणना के अनुसार इन 12 शहर में मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, सूरत, पुणे, जयपुर, लखनऊ और कानपुर शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, 'हम ऑनलाइन बाजार में भारी छूट, बिक्री, ऑफर आदि के कारण होने वाले कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखेंगे। हम इस पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

सैमसंग जल्द लांच करेगी नया फोल्डेबल स्मार्टफोन

नई दिल्ली।

साउथ कोरिया की कंपनी सैमसंग बहुत जल्द अपना नया फोल्डेबल स्मार्टफोन लॉन्च करने जा रहा है। हाल ही में सैमसंग कंपनी ने एक टीजर भी जारी किया है। ताजा टीजर में दिखाया गया डिवाइस कंपनी के अब तक के फोल्डेबल फोन्स में सबसे पतला हो सकता है। माना जा रहा है कि इस अपकमिंग स्मार्टफोन का नाम गैलेक्सी झेडफोल्ड 7 अल्ट्रा होगा। सैमसंग इसे अपने बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपेक्ड इवेंट में पेश कर सकती है, जो जुलाई की शुरुआत में न्यू यॉर्क में आयोजित होने की संभावना है। इस इवेंट में गैलेक्सी झेडफोल्ड 7, झेड फलीप 7 और झेड फलीप 7 एफई को भी लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी ने टीजर में फोन के सटीक डाइमेंशन तो नहीं बताए हैं, लेकिन यह संकेत जरूर दिया है कि इसका प्रोफाइल पहले के सभी फोल्डेबल फोनों से पतला होगा। गैलेक्सी झेड फोल्ड (5.6एमएम) और फोल्ड स्पेशल एडिशन (4.9एमएम) की तुलना में यह डिवाइस और भी ज्यादा स्लिम हो सकता है। इसके डिजाइन को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि यह फोन पिछले साल चीन और साउथ कोरिया में लॉन्च किए गए सैमसंग डब्ल्यू25 से काफी मिलता-जुलता होगा। फोन में 8 इंच का मेन डिस्प्ले और 6.5 इंच का कवर डिस्प्ले होने की संभावना है। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा दिया जा सकता है। साथ ही, इसमें 16जीबी रैम और एआई-बेस्ड मल्टीटास्किंग फीचर्स जैसे वॉइस कंट्रोल भी मिल सकते हैं। कंपनी ने टीजर में इन एआई क्षमताओं को खासतौर पर हाइलाइट किया है।

भारतीय कंपनियों ने 2025 में अपने शेयरधारकों को दिया ज्यादा डिविडेंड

मुनाफे में कमी के बावजूद निवेशकों में बांट दिये 5 लाख करोड़

नई दिल्ली।

पिछले वित्त वर्ष में आय और मुनाफा नरम रहने के बावजूद भारतीय कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को ज्यादा डिविडेंड का भुगतान किया है।

देश की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में कुल 5 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड भुगतान किया, जो 2024 के मुकाबले 10.8 फीसदी अधिक है। इन कंपनियों का कुल मुनाफा भी वृद्धि करके 16 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है।

इस साल कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को कुल 5.08 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.7 फीसदी अधिक है परंतु सालाना भुगतान अनुपात में गिरावट आईटी कंपनियों द्वारा पुनर्खरीद बंद करने के कारण हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि इस वर्ष कंपनियां उच्च लाभांश भुगतान के माध्यम से बाजार को संतुलित रखने की कोशिश कर रही हैं। आईटी क्षेत्र में शेयर पुनर्खरीद में कमी आने के बावजूद, अन्य क्षेत्रों में कंपनियां राजस्व और मुनाफे में नरमी से समर्थन दे रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऋषभ अभ्यास सत्र में चोटिल हुए

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरु होने से पहले ही भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। पहले टेस्ट के लिए अभ्यास के दौरान ही विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए। भारतीय टीम मुख्य कोच गौतम गंभीर और अन्य सहयोगी स्टाफ की निगरानी में अभ्यास कर रही थी तभी ऋषभ उस समय घायल हो गए जब एक गेंद बल्लेबाजी के दौरान उनकी बाईं बांह में लग गई। गेंद लगने के बाद ऋषभ दर्द से परेशान दिखे जिसके बाद टीम के डॉक्टर को बुलाना पड़ा और उन्होंने प्राथमिक उपचार करते हुए आइस पैक लगाया और आराम के लिए बाहर भेज दिया गया। उनकी चोट गंभीर नहीं होने से टीम प्रबंधन को राहत मिली है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज का टेस्ट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है, ऐसे में वह इस सीरीज के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं। पांच मैचों की ये सीरीज 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। वहीं दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में होगा जिसके बाद लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में 10 जुलाई से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल में चौथे और पांचवें टेस्ट होंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास के बाद इस सीरीज में शुभमन गिल भारतीय टीम की कपतानी करेंगे। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में खेला है। शुभमन ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम 5 शतक और 7 अर्द्धशतक शामिल हैं।

बीसीसीआई ने इंडीज और अफ्रीका के साथ टेस्ट सीरीज़ के मैचों के कुछ स्थान बदले

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2025 के लिए अंतर्राष्ट्रीय घरेलू सीज़न और दक्षिण अफ्रीका ए-टीम के भारत दौरे का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। इस शेड्यूल में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ के कुछ मैचों के स्थानों में बदलाव किया है। बीसीसीआई के मुताबिक भारतीय सीनियर पुरुष टीम साल 2025 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जमीन पर टेस्ट, वनडे और टी20 मैच खेलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ की शुरुआत 2 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगी, जबकि दूसरा टेस्ट जो पहले कोलकाता में होना था, अब नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसके विपरीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच का आयोजन पहले दिल्ली में होना तय था, लेकिन अब यह कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

इसके अलावा महिला क्रिकेट कार्यक्रम में भी बदलाव किए गए हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों के पुनर्निर्माण के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच प्रस्तावित तीन वनडे मैचों की सीरीज़ को चेन्नई से स्थानांतरित कर दिया है। अब इस सीरीज़ के पहले दो वनडे न्यू चंडीगढ़ के पीसीए स्टेडियम में होंगे और आखिरी मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

साउथ अफ्रीका की 'ए' पुरुष टीम भी भारत दौरे पर आएगी, जिसमें वह दो बहु-दिवसीय और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। यह दौरा 30 अक्टूबर से शुरू होगा। दोनों बहु-दिवसीय मैच बेंगलुरु में स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे, जबकि पहले प्रस्तावित एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले तीन एकदिवसीय मैच अब राजकोट स्थानांतरित कर दिए गए हैं। बीसीसीआई के इस फैसले को आयोजन स्थलों की वर्तमान स्थिति, सुविधाओं और मैदान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों बेहतर अनुभव कर सकें।

नए कार्यक्रम से दर्शकों की सुविधा में वृद्धि और मैच आयोजन की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद की जा रही है।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में बन सकते हैं नये रिकार्ड

मुम्बई।

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज में कई नये रिकार्ड बन सकते हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 13 विकेट चाहिये। वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को भारत के खिलाफ 3000 रन बनाने के लिए केवल 154 रनों की जरुरत है। ये रन बनाते ही वह भारत के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इंग्लैंड की धरती पर सबसे अधिक 7 शतक सचिन तेंदुलकर के नाम है। उनकी सबसे यादगार पारियों में 1990 में मैनचेस्टर में 119 रन की नाबाद पारी थी। यह वो पारी थी, जिसने सभी हैरान हो गये थे। उनके साल 2002 में लीड्स में बनाए 193 रनों की पारी को भी कौन भूल सकता है।

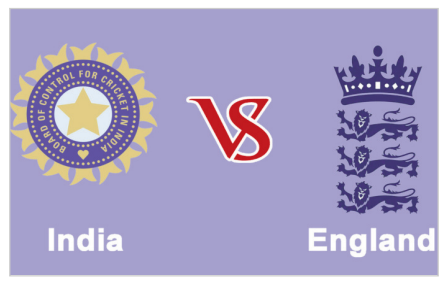

तेंदुलकर के बाद इंग्लैंड में सबसे अधिक शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर हैं। द्रविड़ और गावस्कर ने इंग्लैंड में 6-6 टेस्ट शतक लगाये हैं। वहीं विराट कोहली के नाम इंग्लैंड में 2 टेस्ट शतक हैं। विराट ने पहला शतक 2018 में नॉटिंघम में बनाया था जबकि दूसरा शतक 2018 में एजबेस्टन में लगाया था। वहीं रोहित शर्मा ने इंग्लैंड में केवल एक टेस्ट शतक लगाया है।

टीएनपीएल लीग में अंपायर से बहस करते दिखे अश्विन

चेन्नई।

दिग्गज स्पिनर आर अश्विन यहां तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) के एक मुकाबले में महिला अंपायर से उलझ गये। इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। ये मैच टीएनपीएल में डिंडीगुल ड्रेगन्स और आईड्रीम तिरुपुर तमिजांस के बीच मुकाबला खेला जा रहा था। इस मैच में अश्विन अपनी टीम डिंडीगुल ड्रेगन्स की कप्तानी कर रहे थे। अश्विन ने इस मैच में पारी की शुरुआत करते हए 11 गेंदों में 18 रन बनाये और वह एलबीडब्ल्यू हो गए। उन्हें एक महिला अंपायर ने आउट दिया पर अश्विन इस फैसले से नाराज दिखे। उनका मानना है कि गेंद पैड से टकराई और अंपायर ने तुरंत उंगली उठा दी। अश्विन ने अंपायर से कहा कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी और वह आउट नहीं थे पर अंपायर ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। अश्विन के इस व्यवहार को खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस मैच में अश्विन की टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। उनकी डिंडीगुल ड्रेगन्स टीम केवल 93 रन ही बना पायी। तिरुपुर तमिजांस ने 11.5 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर जीत हासिल कर दी। इस मैच में गेंदबाजी में भी अश्विन विफल रहे। उनके दो ओवर में 28 रन गये। वहीं तुषार रहेजा ने तिरुपुर की ओर से 39 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाकर बनाये।

साउथ अफ्रीका की टीम पहली बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में

सिडनी।

साउथ अफ्रीका की टीम पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पिछली बार भारत को 209 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर चुका है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 का फाइनल 11 जून से खेला जाएगा। इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास इतिहास रचने और पहली टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका है। इस फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका के तीन अहम खिलाड़ी एडन मार्करम, कागिसो रबाडा और केशव महाराज के पास व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल करने का भी बेहतरीन अवसर है। टॉप ऑर्डर बल्लेबाज एडन मार्करम टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन पूरे करने के बेहद करीब हैं। उन्होंने अब तक 45 टेस्ट की 82 पारियों में 2857 रन बनाए हैं और उन्हें इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ 143 रन की जरूरत है।

उनके नाम अब तक 7 शतक और 13 अर्धशतक दर्ज हैं। दूसरी ओर तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा इतिहास रचने के मुहाने पर हैं।

रबाडा को टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज एलन डोनाल्ड (330 विकेट) को पीछे छोड़ने के लिए केवल 4 विकेट की दरकार है। इस उपलब्धि के साथ वे दक्षिण अफ्रीका के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। साथ ही, वह जैक्स कैलिस को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारे भारतीय टीम- क्लार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन को भारतीय टीम तीसरे नंबर पर उतारे। सुदर्शन ने आईपीएल के 18 वें सत्र में 15 मैचों में सबसे ज्यादा 759 रन बनाए हैं। इसी के बाद सुदर्शन को इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में जगह मिली थी। वहीं भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इस सीरीज में विराट कोहली की जगह पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नजर आ सकते हैं। विराट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। क्लार्क ने कहा, मेरे लिए साई सुदर्शनसुपरस्टार है मुझे लगता है कि वह टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर के लिए है। मेरे हिसाब से आने वाले समय में वह भारत के लिए टी20 और वनडे में पारी की शुरुआत करने वाला है। वह उनकी टेस्ट टीम में हैं। उन्हें इंग्लैंड में पहली बार अवसर मिला है। आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन का प्रदर्शन शानदार रहा था। इस क्रिकेटर ने 15 मैचों में 54.21 के औसत से 759 रन बनाए थे। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए सत्र में एक शतक और 6 अर्धशतक लगाए थे। गुजरात की टीम प्लेऑफ में चौथे नंबर पर रही थी। क्लार्क ने कहा, मुझे लगता है कि वह टीम में सीधे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकता है। मुझे लगता है कि तकनीकी रूप से वह बहुत अच्छा है, उसके पास सभी शॉट हैं और मानसिक रूप से वह तैयार है। उसने मुझे वास्तव में प्रभावित किया और वह एक अच्छा दिखने वाला खिलाड़ी भी है।

ऋषभ और वेंकटेश ही नहीं , नटराज भी मोटी रकम मिलने के बाद फ्लाप रहे

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर खराब प्रदर्शन के लिए सबसे निशाने पर रहे हैं। इसका कारण है कि करोड़ों की राशि मिलने के बाद भी ये रन नहीं बना पाये। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा है जिसपर किसी का ध्यान नहीं गया क्योंकि उसने केवल 3 ओवर फेंके हैं और उसे करीब 11 करोड़ मिले हैं। इसके बाद भी वह आलोचना से बचा हुआ है। ये खिलाड़ी तेज गेंदबाज टी नटराज है। ऋषभ आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स से 27 करोड़ मिले। वहीं, वेंकटेश अय्यर इस लीग के इतिहास के चौथे सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी थे। उनको कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा था। ऋषभने 14 मैचों में 269 रन बनाए और वेंकटेश अय्यर ने 11 मैचों की 7 पारियों में 142 रन बना सके। वहीं नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपये में नीलामी में खरीदा था पर इस गेंदबाज को केवल दो मैचों में खेलने का ही अवसर मिला।

आईपीएल को एनबीए जैसी लीग की बराबरी पर लाने विंडो बढ़ानी होगी

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट जगह में सबसे बड़ लीग है पर विश्व स्तर पर देखा जाये तो नेशनल फुटबॉल लीग, अमेरिका (एनएफएल) नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) और यूरोपीय फुटबॉल लीग सहित दुनिया की शीर्ष खेल लीगों के ब्रांड मूल्य के सामने वह काफी पीछे है। इसकी बराबरी पर आने के लिए उसे 12 से 16 सप्ताह की विंडो की जरुरत होगी। अभी आईपीएल के प्रति मैच का मूल्य करीब 16.8 मिलियन डॉलर है जो दुनिया भर के विभिन्न खेलों की शीर्ष लीग में सिर्फ एनएफएल (36.8 मिलियन डालर) से कम है। वहीं जब ब्रांड मूल्य की बात आती है तो आईपीएल एनएफएल और यूरोप की शीर्ष फुटबॉल लीग से काफी कम है।

एक निवेशक के अनुसार आईपीएल का ब्रांड मूल्य लगभग 16 बिलियन डॉलर है, जबकि एक एनएफएल फ्रेंचाइजी डलास काउबॉय की कीमत ही नौ बिलियन डॉलर है, इसके बाद न्यूयॉर्क यांकीस की कीमत 7.1 बिलियन डॉलर है। एनबीए फ्रेंचाइजी न्यूयॉर्क निक्स का मूल्य सात बिलियन डॉलर है, जबकि शीर्ष फुटबॉल क्लब रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड ने का मूल्य लगभग छह बिलियन डॉलर है। आईपीएल की मौजूदा आठ सप्ताह के तुलना में प्रीमियर लीग (अगस्त से मई), एनबीए (सात महीने) और एनएफएल (4.5 महीने) की बहुत लंबी विंडो से भी उसका मूल्य बढ़ता है।

एक आईपीएल टीम के मालिक के अनुसार , हम प्रति मैच मूल्य के मामले में पहले से ही एनएफएल के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं पर जब बात ब्रांड मूल्य की आती है तो आंकड़े कुछ और ही होते हैं। यह एक अलग पहलू है। मुझे लगता है कि हमें वहां पहुंचने के लिए इस लीग का आयोजन 12 से 16 सप्ताह तक कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' इससे हमें बेहतर माहौल बनाने, प्रतिद्वंद्विता बनाने और सभी प्रायोजक, प्रसारकों के लिए अधिक मूल्य बनाने का मौका मिलता है। लेकिन यह सिर्फ आयोजन का समय बढ़ाने के बारे में नहीं है।

दिल्ली कैपिटल्स मुकेश और मैकगर्क को रिलीज करे- आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए जेक फ्रेजर-मैकगर्क और मुकेश कुमार को रिलीज कर देना चाहिये। चोपड़ा के अनुसार अनुभवी बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस का भी प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहेा है। ऐसे में उनको लेकर भी बात करने की जरुर है। । दिल्ली कैपिटल्स ने पहले 6 में से पांच मैच जीते थे पर इसके बाद टीम प्लेऑफ्स के लिए क्वॉलिफाई नहीं कर पाई। ऐसे में अब ये चर्चा हो रही है कि दिल्ली कैपिटल्स को आने वाले सीजन से पहले किस-किस खिलाड़ी को रिलीज कर देना चाहिए। चोपड़ा ने ये भी कहा है कि डुप्लेसिस के भविष्य को लेकर भी बात करना जरुरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें बरकरार रखा जा सकता है पर उपकप्तानी नहीं दी जा सकती। दिल्ली कैपिटल्स ने लीग के 14 मैचों में 15 अंक हासिल किए थे और टीम पांचवें स्थान पर रही। कप्तान अक्षर पटेल ने ज्यादातर मैचों में कप्तानी की पर आखिरी दो मैचों में फाफ डुप्लेसिस कप्तान थे, क्योंकि अक्षर पटेल फिट नहीं थे। चोपड़ा ने कहा कि कैपिटल्स को फ्रेजर मैकगर्क को रिलीज कर देना चाहिए और डुप्लेसिस को रखा जाना है या नहीं ये विचार करना चाहिए। चोपड़ा ने कहा, अगर मैं इस रवैये से सोचूं कि अगले साल क्या किया जाना चाहिए, तो मैं कहूंगा कि 9 करोड़ में खरीदे मैकगर्क को हटा दो। 9 करोड़ रुपये आपको मिल जाएंगे। इससे बेहतर खिलाड़ी खरीदा जा सकता है। इसके साथ ही, इस बारे में भी सोचें कि डुप्लेसिस के साथ क्या किया जाना चाहिए। वह बहुत सस्ते में मिले हैं। वह केवल 2 करोड़ में मिले हैं पर अब उन्हें उप-कप्तान नहीं बना सकते, क्योंकि जब आप उन्हें उप-कप्तान बनाएंगे तो आप उन्हें बाहर नहीं कर सकते। चोट लग जाए तो अलग बात है, अन्यथा आपको उन्हें हटाना मुश्किल रहेगा। आकाश चोपड़ा ने आगे बताया कि 8 करोड़ रुपये में खरीदे गए मुकेश को भी रिलीज करना फायदेमंद रहेा। उन्होंने 12 मैचों में 10 से ज्यादा के इकॉनमी रेट से 12 विकेट ही लिए थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह सबसे महंगे गेंदबाज हैं। साथ ही कहा कि उन्हें और मैकगर्क को बाहर करने से टीम के पास 17 करोड़ आ जाएंगे। जिससे बेहतर खरीद हो सकेगी।।

कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज खिताब जीता, गुकेश को तीसरा स्थान

महिला वर्ग में एन पहले नंबर पर , हंपी को तीसरा स्थान

नई दिल्ली। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैगनस कार्लसन ने एक बार फिर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेट जीत लिया है। वहीं भारत के डी गुकेश तीसरे स्थान पर रहे हैं। कार्लसन का मुकाबला भारत के अर्जुन एरीगैसी से हुआ जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने उन्हे सफेद मोहरों से खेलते हुए क्लासिकल में ड्रॉ पर रोकने के बाद टाईब्रेक आर्मगोडेन में शिकस्त दी हालांकि इस हार के बाद भी कार्लसन को क्लासिकल का एक अंक मिला और वह 16 अंकों के साथ ही शीर्ष पर पर पहुँच गए। ये सातवीं बार है जब कार्लसन को खिताब मिला है। इसके बाद भारत के गुकेश के पास नंबर एक पर पहुंचने का अवसर पर वह इटली के फैबियानो कारुआना से हार गये। ऐसे में कार्लसन 16 अंको के साथ विजेता जबकि करूआना 15.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं अमेरिका के हिकारु नाकामुरा 14 अंक बनाकर चौंथे,अर्जुन 13 अंक के साथ ही पांचवें और चीन के वे यी 9.5 अंक बनाकर आखिरी छठे स्थान पर रहे । वहीं महिला वर्ग में भारती की कोनोरु हंप तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं उक्रेन की एन मुज्युचुक 16.5 अंक के साथ ही नंबर एक पर रहीं।

टेस्ट सीरीज से पहले गंभीर की देखरेख में भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया

लीड्स।

भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 जून से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अभ्यास शुरु कर दिया है। अभ्यास सत्र में मुख्य कोच यहां गौतम गंभीर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते दिखे। इस दौरान मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के बीच छींटाकसी भी हुई। जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल के बीच भी भी कड़ा मुकाबला हुआ। केंट काउंटी मैदान में भारतीय टीम ने तीन घंटे तक अभ्यास किया। इस दौरान गंभीर ने सभी खिलाड़ियों से बात की पर उनका ध्यान युव खिलाड़ियों पर अधिक रहा। गंभीर ने नेट्स के पीछे खड़े होकर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन के प्रदर्शन को देखा।

उन्होंने सुदर्शन को डेब्यू से पहले कई टिप्स भी दिए। सुदर्शन ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। अभ्यास के दौरान सिराज और ऋषभ के बीच मजेदार मुकाबला हुआ। सिराज तेज गेंदबाजी कर रहे थे पंत पर इसका कोई असर नहीं हुआ। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसलिए उम्मीद है कि वह 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

सिराज से भी यही उम्मीदें हैं। ऑस्ट्रेलिया में वह थके हुए लग रहे थे। सिराज को इस बार मोहम्मद शमी के नहीं होने से खेलने का अधिक अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे।

वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज प्रसिद्द कृष्णा ने भारतीय टीम की ओर से तीन टेस्ट मैच खेले हैं पर वह ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाए हैं हालांकि इस बार आईपीएल से उन्होने लय हासिल की है। अर्शदीप को भी खेलने का अवसर मिल सकता है। शुभमन गिल की कप्तानी की इस दौरे में परीक्षा होगी। उनका विदेशी धरती पर टेस्ट में रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। उन्होंने 13 टेस्ट मैचों में केवल 649 रन बनाए हैं।

इंडिया ए के तेज गेंदबाज खलील का शानदार प्रदर्शन, 4 ओवर में चार विकेट लिए

नॉर्थम्टन।

इंडिया ए के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की है। खलीन ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन 4 ओवर में चार विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड लायंस का स्कोर 3 विकेट पर 192 रन था। खलील अहमद ने चार ओवर में चार विकेट लेकर इंग्लैंड लायंस की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। उन्होंने अर्धशतक की तरफ बढ़ रहे जॉर्डन कॉक्स को आउट किया। कॉक्स ने 45 रन बनाये थे। उनका कैच ध्रुव जुरेल ने पकड़ा। इसके बाद उन्होंने 55वें ओवर में लगातार दो गेंद पर दो विकेट लिए। पहले जेम्स रेड 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दूसरी गेंद पर जॉर्ज हिल का विकेट गया। वह साफ बोल्ड हुए। इससे इंग्लैंड लायंस की टीम के छह विकेट 223 रनों पर ही निकल गये। इसके बाद अगले ओवर में खलील ने क्रिस वोक्स को भी पेवेलियन भेज दिया। प्रमुख ऑलराउंडर में शामिल वोक्स ने 5 रन बनाए थे। जुरेल ने उनका कैच लिया। इसने इंग्लैंड लायंस की टीम लड़खड़ा गयी। टीम ने 229 रन पर सात विकेट गंवा दिये। इस मैच में इंडिया ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल के शतक की मदद से 348 रन बनाये थे। खलील का प्रदर्शन इंडिया ए की ओर से अच्छा है पर उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। बाएं हाथ के एक ही गेंदबाज अर्शदीप को टेस्ट सीरीज के लिए शामिल किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री
कॉफी पाउडर– 1 पैकेट या 2 चम्मच
चीनी– आधा कप
पानी– आधा कप
दूध– 1 कप
क्रीम– आधा कप
चॉकलेट चिप– आधा कप
वैनिला एसेंस– आधा कप
होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6–8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2–3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

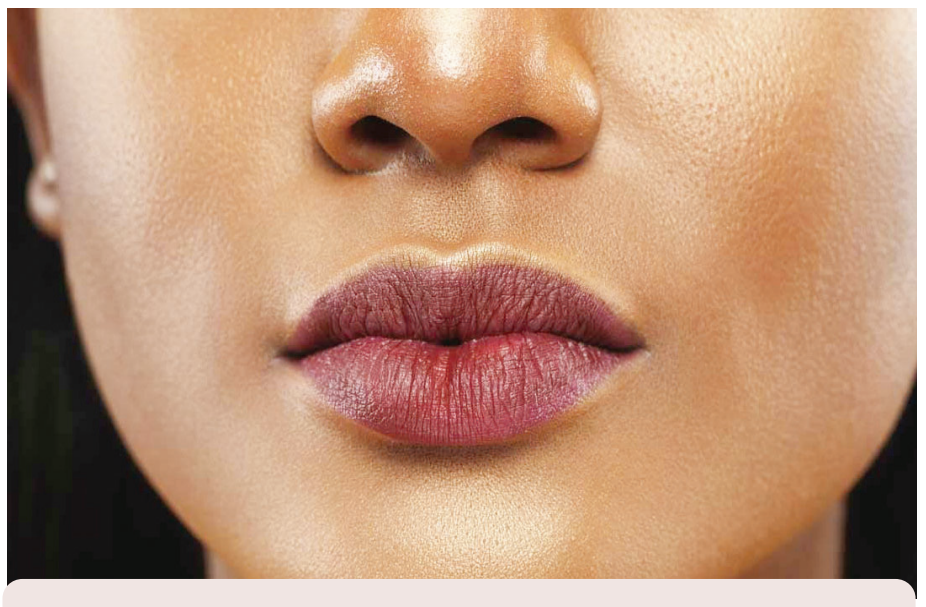

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय–कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे–धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5–10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार–बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

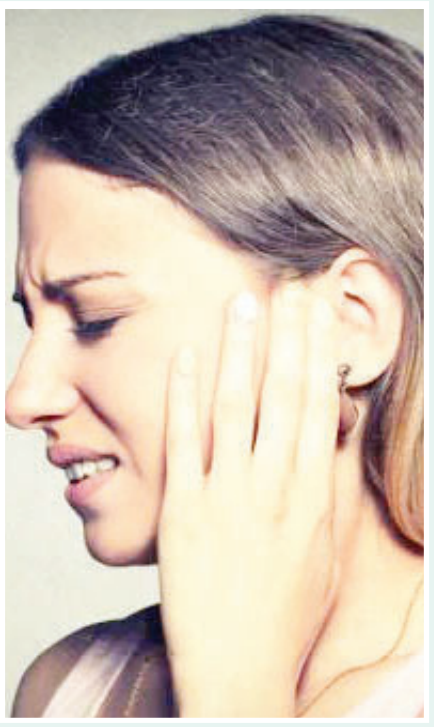

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस–पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है.

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंग जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड–बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत अब हथियार खरीदता कम और निर्यात कर रहा है ज्यादा

2024-25 में डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत में स्वदेशीकरण की शुरुआत तो कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन पिछले 11 साल में इसने इतनी रफ्तार पकड़ी कि अब भारत दुनिया के कई एलीट ग्रुप का सदस्य बन गया है। ना सिर्फ भारत अपनी सेना को स्वदेशी सैन्य उपकरणों के जरिए ताकतवर बना रहा है, बल्कि दुनिया भर के देशों को भी बेच रहा है। भारत की रफ्तार इतनी तेज है कि अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 23,622 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 फीसदी बढ़ा है. साल 2023-2024 में डिफेंस एक्सपोर्ट 21,083 करोड़ रुपए था, जिसमें 2,539 करोड़ का इजाफा हुआ है। भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को 23,622 करोड़ रुपए से बढ़ाते हुए 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य है। अपनी जरूरतों को देश में बने हथियारों से पूरा कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने पॉजिटिव इंडिजिनाइजेशन लिस्ट के तहत कई हजार तरह के हथियार, उपकरण और स्पेयर पार्ट्स के इंपोर्ट पर बैन लगा दिया है।

दूसरे देशों से हथियारों की खरीद करने के बजाय आज दुनिया को हथियार निर्यात कर रहा है। डीपीएसयू और प्राइवेट कंपनियों ने साल 2024-2025 में जबरदस्त प्रदर्शन किया। कुल एक्सपोर्ट का 8,389 करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट डीपीएसयू ने किया जबकि प्राइवेट कंपनियों ने 15,233 करोड़ रुपए अपनी झोली में डाले। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में यह आंकड़ा 5,874 और 15,209 करोड़ रुपए था। डीपीएसयू डिफेंस एक्सपोर्ट में पिछली बार के मुकाबले 42.85 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने साल 2029 तक एक्सपोर्ट के आंकड़े को 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का टार्गेट रखा है।

अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा हथियार उत्पातक और निर्यातक है, फ्रांस भी कम नहीं है। अब यह दोनों देश भारत के साथ रक्षा सहयोग और उत्पाद के अलावा डिफेंस प्रोडक्ट भारत से खरीद रहा है। साल 2023-2024 में अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया सबसे ज्यादा खरीद करने वाले देश थे। भारत कुल 80 देशों को आज सैन्य उपकरण और बाकी साजो-सामान बेच रहा है। दुनिया के तमाम हथियार निर्माता देश भारत के साथ जुड़ने की कोशिशों में जुटे हैं।

रक्षा मंत्रालय की तरफ से वित्तीय वर्ष

2023-2024 के आंकड़े जारी किए गए थे।

रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 2004 से 2014 तक जो एक्सपोर्ट मात्र 4,312 करोड़ का हुआ करता था, वह 2014-2024 में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। देश में रक्षा उत्पादन पिछले 10 साल में 174 फीसदी बढ़ गया है। साल 2014-15 में जो डिफेंस प्रोडक्शन महज 46,429 करोड़ था, वह साल 2023-24 में बढ़कर 1,27,265 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। 3 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन का टारगेट साल 2029 तक का रखा गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन रवाना

मुंबई।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के लिए भारत गौरव विशेष पर्यटक ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल डी नीला ने बताया, छत्रपति शिवाजी महाराज भारत गौरव ट्रेन सोमवार से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से शुरू हो रही है। यह अपने आप में गर्व की बात है और साथ ही यह भी महत्वपूर्ण है कि आज छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का 351वां उत्सव है। इस मौके पर भारत गौरव ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से करीब 710 यात्रियों को लेकर उन स्थानों पर जा रही है, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज के विशेष कार्य होते हैं। इस मौके पर सीएम फडणवीस ने कहा, शिव राज्याभिषेक दिवस पर सभी को मेरी शुभकामनाएं। 351 साल पहले छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज की स्थापना की थी। छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट के लिए आज से शुरू हुई भारत गौरव यात्रा ट्रेन अगले पांच दिनों में यात्रियों को शिवाजी महाराज से जुड़े सभी प्रमुख स्थानों पर ले जाएगी। मैं इसके लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। फडणवीस ने कहा कि इस पहल ने लोगों की व्यापक रुचि आकर्षित की है। ट्रेन अपनी पहली यात्रा में 100 प्रतिशत बुक हो गई है। आज कुल 710 यात्री यात्रा कर रहे हैं, और उसमें से 80 प्रतिशत 40 वर्ष से कम आयु के हैं। इससे पता चलता है कि युवा हमारे इतिहास से जुड़ना चाहते हैं। भारत गौरव एक्सप्रेस यात्रियों को शिवाजी महाराज से जुड़े महाराष्ट्र के प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों, जैसे कि किले, मंदिर और संग्रहालयों की सैर कराएगी। छह दिवसीय यात्रा कार्यक्रम में रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, प्रतापगढ़, पन्हाला, लाल महल, कस्बा गणपति मंदिर और शिवसृष्टि थीम पार्क की यात्राएँ शामिल हैं। कोल्हापुर में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर जैसे धार्मिक स्थल भी इस यात्रा का हिस्सा हैं। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पहली यात्रा के लिए इकोनॉमी (स्लीपर), कम्फर्ट (3एसी) और सुपीरियर (2एसी) श्रेणियों की सभी सीटें बिक चुकी हैं। सभी समावेशी टूर पैकेज में ट्रेन यात्रा, होटल में ठहरना, भोजन (केवल शाकाहारी), स्थानीय स्थानान्तरण, दर्शनीय स्थल, यात्रा बीमा और एस्कॉर्ट सेवाएँ शामिल हैं। यह यात्रा भारतीय रेलवे की भारत गौरव पहल का हिस्सा है, जो भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को उजागर करने वाली थीम-आधारित ट्रेनों के माध्यम से घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देती है।

आने वाले एक सप्ताह भीषण गर्मी की मार, फिर पड़ेगी राहत की बौछार

13 जून के बाद फिर गति पकड़ेगा मानसून

नई दिल्ली (ईएमएस)। भीषण गर्मी से बेहाल लोगों के लिए मॉनसून अब तक आएगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। अब भारतीय मौसम विभाग ने इसका अनुमान जाहिर किया है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत अभी करीब हफ्ते भर गर्मी का प्रंचड रुप देखना होगा। इसके बाद बारिश की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली में अगले पांच दिनों में पारा 3-4 डिग्री सेल्सियस और ऊपर जाएगा। अनुमान है कि मंगलवार तक यह 44 डिग्री तक पहुंच जाएगा। इस तरह यह सीजन सबसे गर्म हफ्ता होगा। अभी तक दिल्ली में सबसे ज्यादा गर्मी 16 मई को पड़ी थी जब तापमान 42.3 रिकॉर्ड किया गया था। मॉनसून बीते एक हफ्ते से आगे नहीं बढ़ा है। सूखी हवा के अवरोध के चलते 29 मई से मॉनसून की बढ़त थमी हुई है। अनुमान है कि अब 12 से 18 जून के हफ्ते में मॉनसून आगे बढ़ेगा। गौरतलब है कि अभी तक देश के कई हिस्सों में उस तरह से गर्मी नहीं पड़ रही है। इसका कारण दक्षिण पश्चिम मॉनसून का समय से पहला आना है। आमतौर पर मॉनसून जून के अंत तक देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंच जाता है। वहीं, आठ जुलाई तक यह पूरे देश में पहुंच जाता है। दिल्ली मॉनसून पहुंचने की तारीख करीब 27 जून होती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन ने कहा कि मॉडल्स बताते हैं कि करीब 12 जून तक मानसून बहुत कमजोर रहेगा। इसका कारण कमजोर मानसून प्रवाह और उत्तर-पश्चिमी दिशा से शुष्क हवा का प्रवेश है। अब मानसून की प्रगति के दौरान लंबे समय के लिए ठहराव देखा गया है। उन्होंने कहाकि हालांकि जून के तीसरे हफ्ते में यह फिर से जागृत हो सकता है।इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने विभिन्न प्रदेशों के लिए हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है। इसमें पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के नाम शामिल हैं। आईएमडी वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा कि वैसे देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान सामान्य से कम है। लेकिन अगले चार से पांच दिनों में इसमें बदलाव होगा। उन्होंने कहाकि नौ जून से राजस्थान और 10 जून से पंजाब के कुछ हिस्सों, हरियाणा, यूपी और मध्य प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू होने का अनुमान है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 साल में हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेः रक्षामंत्री

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे करने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 11 साल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने हैं। एक्स पर राजनाथ ने लिखा कि पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से आगे बढ़ा है। भारत अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। देश आज हर कीमत पर अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के अपने संकल्प में पूरी तरह से सुसज्जित, आश्वस्त और अडिग है। उन्होंने आगे लिखा- 11 साल हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने की कहानी है, जिन्होंने एक ऐसे लोकतंत्र की कल्पना की थी, जो न केवल राजनीतिक हो, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रकृति का भी हो। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल प्रगति कर रहा है, बल्कि राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान पाने आगे भी बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने आखिर में लिखा- उल्लेखनीय 11 साल पूरे होने पर मैं हर उस भारतीय को बधाई देता हूं, जो इस विकास की कहानी, विकास यात्रा और इतिहास निर्माण का गौरवशाली हिस्सा रहा। हम सब मिलकर और ज्यादा मजबूत, गौरवान्वित भारत के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ते हैं। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने भी नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे करने पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में पीएमओ के बिंदुओं को दिखाया गया है। साथ ही पात्रा ने एक कविता की कुछ पंक्तियां भी शेयर की, जो इस तरह हैं-

अपने मन में लक्ष्य लिए
मंजिल अपनी प्रत्यक्ष लिए
हम तोड़ रहे हैं जंजीरें
हम बदल रहे हैं तस्वीरें
ये नवयुग है, ये नवभारत है...।

एनसीआर में लोगों को नहीं मिलेगी गर्मी से राहत, मौसम विभाग ने चेताया

हीट वेव और धूल भरी हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली।

दिल्ली के एनसीआर में रहने वालों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। भारतीय मौसम विभाग ने 9 और 10 जून के लिए हीट वेव और धूल भरी हवाओं का यलो अलर्ट जारी किया है। दोनों ही दिन अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम विभाग ने चेताया कि दिन के समय तेज धूप और गर्म हवा का असर स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों पर। ऐसे में लोगों को सलाह दी गई है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। 11 जून से मौसम में हल्का बदलाव आएगा, जब आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और तापमान में मामूली गिरावट के साथ 43 डिग्री तक रह सकता है। हालांकि उमस बढ़ने से गर्मी की तीव्रता कम नहीं होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 12 जून को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन गर्म और उमस भरा मौसम तो रहेगा साथ ही गर्जन के साथ बारिश भी हो सकती है। 13 और 14 जून को भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की चेतावनी के साथ बारिश या गरज-चमक के आसार हैं। 13 जून को तापमान गिरकर 39 डिग्री और 14 जून को 38 डिग्री तक रहने की संभावना है, जिससे लोगों को कुछ हद तक राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 15 जून तक हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं और तापमान 38 डिग्री के आसपास रहेगा। इस दौरान नो वॉर्निंग दर्शाई गई है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि भीषण गर्मी के दौर से फिलहाल अस्थायी राहत मिल सकती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हीट वेव शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। इससे लू लगने, थकान, सिर दर्द और यहां तक कि हीट स्ट्रोक की भी आशंका है। ऐसे में नागरिकों को चेतावनी दी गई है कि खुले आसमान के नीचे लंबे समय तक रहने से बचें और छायादार स्थानों में ही रहें।

चीन ने भारत समेत कई देशों को रेयर अर्थ मैग्नेट्स का एक्सपोर्ट बंद किया

नई दिल्ली।

चीन ने भारत समेत कई देशों को रेयर अर्थ मैग्नेट्स का एक्सपोर्ट बंद कर दिया है। इससे भारत में ईवी इंडस्ट्री के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री को भी खासी परेशानी हो रही है। दुनिया में रेयर अर्थ एलिमेंट माइनिंग में चीन की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है और ग्लोबल आउटपुट में उसकी हिस्सेदारी 90 फीसदी है।

भारत 809 टन रेयर अर्थ मैग्नेट्स का आयात करता है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो कंपनियों के पास जून के अंत तक का स्टॉक रह गया है।

इसकी वजह यह है कि अप्रैल के मध्य से इनकी कोई सप्लाई नहीं हुई है। सरकार कूटनीतिक तरीके से इस मुद्दे का समाधान करने की कोशिश कर रही है। बीजिंग में भारतीय दूतावास भारतीय उद्योग के प्रतिनिधिमंडल और चीनी सरकार के अधिकारियों की मीटिंग करने की कोशिश कर रहा है। भारत सरकार इसकी आपूर्ति के लिए चीन के साथ बातचीत कर रही है। साथ ही उसने पांच अन्य देशों से भी रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई के लिए बातचीत शुरू कर दी है। इनमें वियतनाम, इंडोनेशिया, जापान, अमेरिका और रूस शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि वियतनाम और इंडोनेशिया से रेयर अर्थ खरीदने की संभावना ज्यादा है। जापान के पास भी रेयर मैग्नेट्स हैं लेकिन उनकी क्वालिटी चीन की तरह नहीं है। वियतनाम सबसे उपयुक्त विकल्प है क्योंकि वहां से तुरंत सप्लाई चेन स्थापित करना आसान है।

एशियाई देशों से सप्लाई चेन स्थापित करने में 45 दिन का समय लग सकता है जबकि रूस और अमेरिका के मामले में यह अवधि 60 दिन हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि चीन से रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई बंद होने से ऑटो इंडस्ट्री के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री खासकर स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स का प्रोडक्शन बुरी तरह प्रभावित होगा। कंपनियों के पास अब कुछ ही महीनों का स्टॉक रह गया है और अगर इस बीच चीन से आपूर्ति बहाल नहीं होती है तो प्रोडक्शन पर इसका असर होगा। इससे उन चीजों की शॉर्टेज हो सकती है जिनमें रेयर अर्थ मैग्नेट्स का यूज होता है।

चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती लोकप्रियता, यूजर्स की संख्या 3 मिलियन पार

नई दिल्ली।

ओपनएआई ने बिजनेस यूजर्स के लिए चैटजीपीटी में कई नए वर्कप्लेस टूल्स और फीचर्स भी पेश किए हैं। इन नए टूल्स के जरिए कंपनियों को और जटिल और गहन एआई-सक्षम कार्य करने में सहायता मिलती है। वर्तमान में कर्मचारी चैटजीपीटी का उपयोग तुरंत उत्तर पाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही, कंपनी ने कनेक्टर्स का बीटा वर्जन जारी किया है, जो ड्रॉपबॉक्स, बॉक्स, शेयरपॉइंट, वनड्राइव और गूगल ड्राइव जैसे लोकप्रिय क्लाउड स्टोरेज प्लेटफॉर्म से जुड़ने की सुविधा देता है। इसके जरिये यूजर्स अपने डेटा को तेजी से खोज और एक्सेस कर सकते हैं।

एडमिन्स यह नियंत्रित कर सकते हैं कि किन कनेक्टर्स को वर्कप्लेस में सक्षम किया जाए।

ओपनएआई ने बताया कि चैटजीपीटी के लिए भुगतान करने वाले बिजनेस यूजर्स की संख्या तीन मिलियन से अधिक हो गई है। यह संख्या फरवरी में दो मिलियन के स्तर पर थी, जो इस वर्ष की शुरुआत से लेकर अब तक तेज वृद्धि को दर्शाती है। कंपनी ने कहा है कि यह मील का पत्थर चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती लोकप्रियता और व्यवसायों में एआई टूल्स के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। कंपनियां अब ऐसे एआई समाधान चाहती हैं जो उन्हें अधिक उत्पादक, कुशल और रणनीतिक कार्य करने में मदद कर सकें।

ओपनएआई ने एमसीपी (मैनेज्ड कनेक्टर प्लेटफॉर्म) भी लॉन्च किया है, जो यूजर्स को सुरक्षित तरीके से अपने टूल्स कनेक्ट करने की सुविधा देता है। साथ ही, टीम यूजर्स के लिए रिकॉर्ड मोड फीचर भी पेश किया गया है, जो मीटिंग्स और विचार-मंथन सत्रों को रिकॉर्ड और ट्रांसक्राइब करता है। यह फीचर इंटरनल डॉक्यूमेंट्स और सेव्ड फाइल्स के साथ सहज इंटीग्रेशन भी प्रदान करता है।

ओपनएआई की इस नई पहल से स्पष्ट होता है कि चैटजीपीटी अब केवल संवादात्मक एआई नहीं बल्कि बिजनेस और रिसर्च के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है, जो संगठनों को अधिक प्रभावी और सूचित निर्णय लेने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, डीप रिसर्च कनेक्टर का बीटा वर्जन भी जारी किया गया है, जो हबस्पॉट, लीनियर, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल टूल्स के साथ इंटीग्रेट होता है। यह कनेक्टर एक एजेंट की तरह थर्ड-पार्टी टूल्स और वेब से जानकारी एकत्र करता है और जटिल, मल्टी-स्टेप रिसर्च करता है। यूजर्स इस डेटा को कंपनी की इनसाइट के साथ जोड़कर विस्तृत और विश्वसनीय रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं। यह सुविधा टीम, एंटरप्राइज और एजुकेशन यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

लोकल ट्रेन में भीड़ नहीं समाई, कई यात्री बाहर गिरे, पांच के मौत की खबर?

ठाणे।

बेहतर यातायात के दावे करने वाली सरकार के लिए शर्मनाक बात है कि लोकल ट्रेन में भीड़ इतनी ज्यादा हो रही है कि यात्री स्वत- ही कोच से बाहर फिका रहे हैं। ठाणे में एक ऐसा ही मामला आया है।

जहां सोमवार सुबह मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर भीड़भाड़ के कारण चलती लोकल ट्रेन से कई यात्री गिर गए, जिसमें कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में कई यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह हादसा ट्रेन में अत्यधिक भीड़ के कारण हुआ। कुछ यात्री जो छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) की ओर जा रही लोकल ट्रेन में सफर कर रहे थे, वे मुंब्रा स्टेशन के पास ट्रेन से नीचे गिर गए।

मुंब्रा रेल हादसे पर सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल धनराज नीला ने कहा कि मुंब्रा से दिवा जा रही लोकल ट्रेन में यात्रा कर रहे आठ लोग गिरने की घटना हुई है। कसारा जाने वाली लोकल ट्रेन के गार्ड ने इस घटना की सूचना दी। इन लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। यह घटना डाउन/फास्ट लाइन पर मुंब्रा-दिवा रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। कसारा से आने वाली लोकल ट्रेन के फुटबोर्ड पर यात्रा कर रहे लोग और इसी तरह सीएसएमटी की ओर जाने वाली ट्रेन में यात्रा कर रहे लोग एक-दूसरे से टकरा गए और गिर गए। हादसे का कारण ट्रेन में अत्यधिक भीड़ माना जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय ट्रेन सेवाएं भी इस हादसे से प्रभावित हुई हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मैं बिहार और बिहारियों के लिए चुनाव लड़ूंगा, आप ही मेरा परिवार

चिराग पासवान ने कहा- उनका गठबंधन सिर्फ और सिर्फ जनता के साथ

पटना।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और चिराग पासवान ने कहा है कि उनका गठबंधन सिर्फ और सिर्फ जनता के साथ है और वह बिहार और बिहारियों को फर्स्ट बनाने के लिए 243 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगा। चिराग ने नव संकल्प महासभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब ये सवाल पूछा जाता है कि क्या चिराग बिहार से चुनाव लड़ेगा तो हां, मैं बिहार से चुनाव लड़ूंगा। मैं बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ूंगा, और सबसे बड़ी बात कि मैं बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा, बिहारियों के लिए चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि आप लोग ही मेरा परिवार हैं। अब मेरे पिता इस दुनिया में नहीं हैं। जिनको मेरा पिता बनना था उन्होंने भी मुझे घर से निकल दिया। ऐसे में मेरे पिता, मेरी मां, मेरा भाई, मेरी बहन, मेरा परिवार आप ही लोग हैं और अब ये फ़ैसला भी आप ही को करना है कि क्या चिराग पासवान चुनाव लड़े और लड़े तो कहां से लड़े। पासवान ने कहा कि जनता का फैसला मेरे सिर आंखों पर, आप लोग जो चाहेंगे चिराग वही करेगा। पर हां, ये वादा जरूर करता हूं जो कुछ भी करूंगा वह सिर्फ और सिर्फ मेरे प्रदेश को भारत का नंबर वन प्रदेश बनाने के लिए करूंगा।

नकली आभूषण बनाने वाली इकाइयों से नाबालिग और श्रमिकों को छुड़वाया

बच्चों और कर्मिकों से 10 घंटे से ज्यादा करवाते थे काम, आरोपी गिरफ्तार

राजकोट।

गुजरात के राजकोट में नकली आभूषण की दो अस्थायी इकाइयों से पश्चिम बंगाल के 16 बाल मजदूरों समेत 21 लोगों को छुड़ाया है। इन बच्चों और कर्मिकों को 10 घंटे से ज्यादा काम करने के लिए मजबूर किया जाता था और मालिक द्वारा उन्हें शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताड़त किया जाता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अजीतमौला के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान जिले का रहने वाला है। उसे 6 जून की सुबह की गई छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। राजकोट के सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा जांच में पुष्टि हुई कि आरोपी ने कुछ नाबालिगों के साथ मारपीट भी की थी। एक मामले में एक बच्चे के मलाशय में वस्तु डालने की पुष्टि के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो की धाराएं भी जोड़ी हैं। बता दें एक विशेष सूचना के आधार पर राजकोट पुलिस टीम ने शुक्रवार सुबह मोरबी रोड पर एक घर पर छापा मारा, जहां 18 साल से कम उम्र के 14 नाबालिग लड़के और 18 से 22 साल के पांच वयस्क मिले। उन्होंने पुलिस को बताया कि नकली आभूषण बनाने के लिए उनसे प्रतिदिन 10 घंटे से ज्यादा काम करवाया जाता था।

जीने की जिद ने आत्मविश्वास से भर दिया

आंत और यूरिन की थैली बांधकर जीवन की नई यात्रा

रायपुर।

10 साल पहले एक सड़क दुर्घटना में शुभम शर्मा बुरी तरह घायल हो गए थे। उनके ऊपर 18 पहियों वाला ट्रक चढ़ गया था। ट्रक ने 25 फीट तक घसीटा, इसके बाद भी उनकी जान बच गई। उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। डॉक्टरों के अथक प्रयासों से उनकी जान बची। इलाज करने वाले डॉक्टरों का कहना था, वह दोबारा कभी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पाएंगे। शुभम में जीने का हौसला था। न केवल वह दोनों पैरों पर खड़े हुए। रोजाना 30 किलोमीटर साइकिल चलाकर मौत को जिंदगी की राह बता रहे हैं। एक्सीडेंट में उनकी बड़ी आंत क्षतिग्रस्त हो गई थी। डॉक्टरों की मदद से उन्होंने उसे कमर पर लपेट लिया। यूरिन की थैली को या तो साइकिल में लटका कर साइकिल चलाते हैं। जब घर में होते हैं, तो यूरिन की थैली को टांग कर अपना जीवन बेफिक्री के साथ जी रहे हैं। शुभम शर्मा का इलाज प्लास्टिक सर्जन विवेक चौबे कर रहे हैं। डॉक्टर और मरीज दोनों ने उम्मीदें नहीं छोड़ी है। शुभम को जब डॉ विवेक चलते और साइकिल चलाते हुए देखते हैं। तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। पहले एक किलोमीटर से सफर शुरू हुआ। साइकिल का सफर 30 किलो मीटर रोजाना पर पहुंच गया है। जो भी देखता है, वह शुभम शर्मा की जीवटता की सराहना करने से नहीं चूकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

स्नूकर स्टार नील रॉबर्टसन ने हांगकांग का निवासी बनने की घोषणा की

बीजिंग, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई स्नूकर स्टार नील रॉबर्टसन ने 6 जून को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्होंने और उनके परिवार ने हांगकांग का पहचान पत्र प्राप्त कर लिया है, और इसे एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत क्षण और पूरे परिवार के लिए गौरव की बात बताया। रॉबर्टसन ने कहा कि चीन का हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हमेशा से उनकी धन्य भूमि रही है, जहां उन्होंने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं और इस शहर के साथ गहरी दोस्ती कायम की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वह हांगकांग में और अधिक व्यवसाय तथा करियर की योजनाएं बनाएंगे। बताया जाता है कि रॉबर्टसन ने हांगकांग की गुणवत्ता प्रतिभा प्रवेश योजना के माध्यम से हांगकांग की पहचान प्राप्त की। गौरतलब है कि चीन के हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ने जून 2006 में गुणवत्ता प्रतिभा प्रवेश योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य हांगकांग में बसने के लिए उच्च तकनीक प्रतिभाओं या उत्कृष्ट प्रतिभाओं को आकर्षित करना और हांगकांग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। हाल के वर्षों में, प्रसिद्ध स्नूकर खिलाड़ी जुड ट्रम्प और रोनी ओसुलिवन इस योजना के माध्यम से हांगकांग के निवासी बने हैं।

डिमेंशिया पीड़ित हत्यारे के मृत्युदंड पर सुप्रीम सुनवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उटाह के स्टेट जज ने डिमेंशिया से पीड़ित हत्या के दोषी जोसेफ क्लिफ्टन को मौत की सजा देने का आदेश देने के मामले में अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। उटाह में जज राल्फ लेरॉय मैंजिज ने 1988 में उटाह की एक महिला की हत्या के दोषी को मौजूदा वक्त में डिमेंशिया से पीड़ित होने के बावजूद मौत की सजा देने का आदेश दिया। हालांकि जज के फैसले पर कई लोगों ने विरोध जताया है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि बीमारी की स्थिति में व्यक्ति को मृत्युदंड देना उचित नहीं होगा।

लंदन में पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा की कार में तोड़फोड़, चोरी

लंदन, एजेंसी। मशहूर पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा की लंदन में उनकी जगुआर कार में तोड़फोड़ की गई और उनका कीमती सामान चोरी कर लिया गया। इसे लेकर सुनंदा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी कार के टूटे हुए शीशे और बिखरा हुआ कांच देखा जा सकता है। चोरों ने उनके दो लुई वितां बैग, एक सूटकेस और एक हैंडबैग चुरा लिया। वीडियो में सुनंदा ने पंजाबी में कहा, सब कुछ चला गया... दोनों मेरे पसंदीदा बैग थे। वीडियो में वे भावुक दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, वे मैं जिधर पासे वेखां, मैनु चोर दिसदे। यूके वालेयो, एह कोई गल ते नईं ना। सारी रात नींद नईं आई बादशाहो। केहड़ा एलवी ते केहड़ा प्राडा, ओह गया ओह गया। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शायद वे किसी बड़ी मुसीबत से बच गईं। सुनंदा ने लंदन में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों से बेहतर कदम उठाने की मांग की। यह पहली बार नहीं है जब सुनंदा ने अपनी परेशानियों को साझा किया। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने म्यूजिक प्रोड्यूसर पिंकी धालीवाल के खिलाफ वित्तीय शोषण और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। सुनंदा ने अपने गीत बिल्ली अख, जानी तेरा ना, पटाके और तेरे नाल नचना से लोकप्रियता हासिल की। उन्होंने पंजाबी फिल्मों में अभिनय भी किया है।

रूसने यान प्रक्षेपण तकनीक का पेटेंट कराया

मास्को, एजेंसी। रूस ने अंतरिक्ष स्टेशन से स्वचालित यान प्रक्षेपित करने की तकनीक का पेटेंट कराया है। यह स्टेशन दुनिया का ऐसा पहला ड्रोन प्लेटफार्म होगा जिसके रखरखाव के लिए रोबोट का इस्तेमाल होगा। इस तकनीक का परीक्षण रूसी ऑर्बिटल स्टेशन में करने की योजना है तथा बाद में इसका प्रयोग चंद्रमा के अन्वेषण में किया जाएगा। रूस इसमें योजनाबद्ध बदलाव करेगा।

दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के कब्जे वाले द्वीप के पास चीनी जहाज फंसा

बीजिंग, एजेंसी। विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के कब्जे वाले एक द्वीप के पास तूफानी मौसम के कारण चीनी जहाज फंस गया। इसके बाद फिलीपींस सेना को अलर्ट पर रहना पड़ा। क्षेत्रीय नौसेना प्रवक्ता एलेन रोज कोलाडो ने बताया कि फिलीपीन बलों ने देखा कि खराब मौसम के कारण शनिवार को चीनी मछली पकड़ने वाला जहाज थिटू द्वीप के पूर्व में उथले पानी में फंस गया है, तो फिलीपीन सेना और तट रक्षक कर्मियों ने सहायता प्रदान करने के लिए जहाज को वहां भेजा, लेकिन बाद में पता चला कि जहाज को बाहर निकाल लिया गया है। फिलीपींस की सशस्त्र सेनाओं के कर्नल जेरेक्सेस त्रिनिदाद ने संवाददाताओं से कहा कि हमारे सैनिक हमेशा सतर्क रहते हैं। तो हमने समुद्र में संकटग्रस्त जहाजों की मदद करने के अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार पेशेवर के रूप में सहायता प्रदान करने का प्रयास किया। हम सदैव अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करते हैं।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में हिंसक प्रदर्शन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पटाखे-पत्थर फेंके

ट्रम्प ने 2000 नेशनल गार्ड्स भेजे; अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई का विरोध

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में दो दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार देर रात (भारतीय समयानुसार रविवार सुबह) पुलिस पर पत्थर और पटाखे चलाए हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट (आईसीई) पर आंसू गैस और पैट्रोल बम दागे। साथ ही हाथों में मेक्सिको का झंडा लेकर 'आईसीई लॉस एंजिल्स से बाहर जाओ' जैसे नारे भी लगाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड सैनिक तैनात करने की घोषणा की है। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इस दौरान होमलैंड सिक्योरिटी और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने इस दौरान 44 लोगों को गिरफ्तार किया था। एजेंसी को खबर मिली थी कि कई जगहों पर अवैध अप्रवासियों को गलत दस्तावेजों के जरिए नौकरी दी जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है। दरअसल, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने दावा किया कि 1

हजार प्रदर्शनकारियों ने एक संघीय भवन को घेरकर आईसीई अधिकारियों पर हमला किया, और आईसीई आउट ऑफ एलए जैसे नारे लगाए थे।

ट्रम्प बोले- जरूरत पड़ने पर सरकार इसे नियंत्रित करेगी : ट्रम्प के बॉर्डर प्रमुख टॉम होमैन ने फॉक्स न्यूज से कहा कि नेशनल गार्ड शनिवार शाम को तैनात होगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा- अगर कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सकते, तो संघीय सरकार दंगे और लूटपाट को नियंत्रित करेगी। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने इस कदम को जानबूझकर भड़काऊ बताया। लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने भी छापों की निंदा की और कहा, ये रणनीतियां हमारी कम्युनिटी में डर पैदा करती हैं और शहर की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं। व्हाइट हाउस ने आईसीई को रोज 3,000 प्रवासियों को हिरासत में लेने का लक्ष्य दिया प्रदर्शनकारी रॉन गोशेज (44) ने रॉयटर से कहा, वे हमारे लोगों को किडनैप नहीं कर सकते। हम संगठित और कड़ा विरोध करेंगे। वहीं, व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने प्रदर्शनों को कानून और देश की संप्रभुता के खिलाफ विद्रोह करार दिया। अवैध अप्रवासियों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था चिरला की निदेशक एंजेलिका सालास ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों तक वकीलों की पहुंच नहीं हो पाई, जो चिंताजनक है। आईसीई, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और लॉस एंजिल्स पुलिस ने प्रदर्शनों या छापों पर कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रम्प ने अवैध रूप से देश में रहने वालों को रिकॉर्ड संख्या में निर्वासित करने और अमेरिका-मेक्सिको सीमा को बंद करने का वादा किया है। व्हाइट हाउस ने ढ्ढष्टश्च को प्रतिदिन कम से कम 3,000 प्रवासियों को हिरासत में लेने का लक्ष्य दिया है। लॉस एंजिल्स में अप्रवासी आबादी लॉस एंजिल्स में मेक्सिकन अप्रवासियों की संख्या लाखों में है, और यह शहर मेक्सिकन मूल के लोगों का सबसे बड़ा केंद्र है। कैलिफोर्निया-मेक्सिको बॉर्डर से बड़ी संख्या में अप्रवासी अमेरिका में घुसते है। अमेरिका में 2023 तक मेक्सिकन मूल के लगभग 10.9 मिलियन अप्रवासी थे, जो कुल विदेशी मूल की आबादी का लगभग 23प्रतिशत हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2024 में अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर माइग्रेंट एनकाउंटर (पकड़े गए या हिरासत में लिए गए अप्रवासी) की संख्या में भारी कमी आई। दिसंबर 2023 में 249,741 एनकाउंटर हुए, जो अगस्त 2024 तक घटकर 58,038 हो गए, यानी 77प्रतिशत की कमी आई।

कर्ज में डूबा पाकिस्तान, फिर भी नेताओं की तिजोरी भर रही : 500 प्रतिशत वेतन वृद्धि

इस्लामाबाद, एजेंसी। वित्तीय संकट और महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने एक और चौंकाने वाला फैसला लिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक और सीनेट चेयरमैन यूसुफ रजा गिलानी का वेतन 500 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। अब दोनों शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारियों को हर महीने 13 लाख पाकिस्तानी रुपए वेतन मिलेगा, जबकि पहले यह राशि केवल 2.05 लाख रुपए थी। यह वृद्धि 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होगी।

पिछले कुछ महीनों में शरीफ सरकार ने मंत्रियों, सलाहकारों, सांसदों और अब स्पीकर और चेयरमैन के वेतन में भारी बढ़ोतरी की है। मार्च में कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और सलाहकारों के वेतन में 188 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। वहीं, सांसदों और सीनेटरों के लिए 5.19 लाख रुपए मासिक वेतन स्वीकृत किया गया था। यह सब उस वक्त हो रहा है जब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कर्ज, राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी, महंगाई और ईंधन तथा बिजली दरों में भारी बढ़ोतरी से त्रस्त है। आम जनता को जहां कमर कसने की सलाह दी जा रही है, वहीं सरकार अपने ही खर्च बढ़ा रही है।

शरीफ सरकार की आलोचना करते हुए इस्लामाबाद के एक स्थानीय निवासी ने कहा, पहले तो ये लोग कमर कसने और सादगी की बात करते हैं, फिर खुद ही कैबिनेट मंत्रियों की संख्या बढ़ाते हैं और उनका वेतन भी आसमान पर पहुंचा देते हैं। आम जनता पर टैक्स का बोझ और खुद पर ऐश, ये तो हद है! बता दें कि शरीफ सरकार ने जब सत्ता संभाली थी, तब कैबिनेट में केवल 21 सदस्य थे, जिसे बढ़ाकर अब 51 सदस्यों तक कर दिया गया है। देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बीच यह वेतन वृद्धि आम जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी लग रही है। आलोचकों का कहना है कि अगर यही 'आर्थिक सुधार' का रास्ता है, तो पाकिस्तान को मुश्किलों से उबरने में लंबा वक्त लग सकता है।

कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार को सिर में गोली मारी गई : हालत नाजुक

बोगोटा, एजेंसी। साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हालत नाजुक बनी हुई है। घटना स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम की है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उरीबे को तीन गोलियां लगी है, इनमें से एक गोली के उनके सिर में लगने की खबर है। उरीबे राजधानी बोगोटा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। कोलंबिया में 2026 में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। मिगुएल उरीबे राष्ट्रपति पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। 39 वर्षीय उरीबे विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। पार्टी ने बयान जारी कर बताया कि उरीबे को संबोधन के दौरान हमलावर ने पीठ में गोली मारी। बोगोटा के मेयर कार्लोस गलान ने बताया कि यह हमला शहर के फोंतिबोन इलाके में हुआ। उरीबे की हालत को देखते हुए पूरे शहर के अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है पुलिस ने 15 साल के आरोपी हमलावर को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। उरीबे कोलंबिया की मशहूर पत्रकार डायना टर्बे के बेटे हैं। डायना को 1991 में ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार के मेडेलिन कार्टेल ने बोगोटा में अगवा कर लिया था।

शहबाज के सहायक की पूर्व पीएम इमरान को सलाह, कहा- सरकार के साथ बातचीत करने की जरूरत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सरकार और विपक्ष के बीच तनातनी जारी है। अदियाला जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) आम चुनावों में धांधली का लगातार विरोध कर रही है। इससे सरकार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सार्वजनिक और राजनीतिक मामलों के विशेष सहायक राणा सनाउल्लाह ने पीटीआई प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान को सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि इमरान खान को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बातचीत करनी चाहिए। उन्हें चुनाव कानूनों में संशोधन के लिए सरकार से बात करने की जरूरत है। सनाउल्लाह ने कहा कि विपक्ष को देश के मुद्दों और आर्थिक चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार पीटीआई को नौ मई 2023 या 26 नवंबर 2024 जैसे विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देगी। सनाउल्लाह ने देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल में ऐसे किसी भी आंदोलन की सफलता से इनकार किया। सनाउल्लाह ने विरोध आंदोलन की संभावना पर कहा कि राजनीतिक व्यक्ति के रूप में मेरा मानना है कि सरकार,

प्रतिष्ठान और लोगों की स्थिति को देखते हुए पीटीआई अतीत की तरह एक समान आंदोलन शुरू करने का जोखिम नहीं उठा सकती। पीटीआई ने हमेशा नफरत भड़काने की कोशिश की है। अगर वे ऐसा कुछ करने की कोशिश भी करते हैं तो यह एक असफल प्रयास होगा। इस बीच पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने केंद्र में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के खिलाफ जेल से देशव्यापी विरोध आंदोलन का नेतृत्व करने की योजना की घोषणा की है। सीनेटर अली जफर ने खान के हवाले से कहा कि विरोध प्रदर्शन निर्णायक होना चाहिए। बता दें कि सरकार और पीटीआई ने पिछले साल कुछ मतभेदों पर विचार-विमर्श करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन बाद में पीटीआई ने सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन बैठकों में भाग लेने के बाद 9 मई, 2023 और 26 नवंबर की घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक आयोगों के गठन न करने पर वार्ता प्रक्रिया को अचानक छोड़ दिया था।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले- भारत को जल युद्ध में हराएंगे

कहा- वह जानबूझकर चिनाब का पानी कंट्रोल कर रहा; सीक्रेट बातचीत से इनकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गीदड़ भभकी देते हुए कहा है कि उनका देश भारत को वाटर वॉर में हराएगा। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए आसिफ ने कहा- चिनाब नदी में जल प्रवाह सामान्य से काफी कम है, भारत जानबूझकर इसे कंट्रोल कर रहा है। आसिफ ने दावा किया कि भारत कन्वेंशनल (पारंपरिक) युद्ध में हार चुका है और अब हम उसे जल युद्ध में भी हराएंगे। उन्होंने उन अफवाहों को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई सीक्रेट बातचीत चल रही है। पाकिस्तान की नदियों में 21प्रतिशत पानी की कमी पाकिस्तान की सिंधु नदी सिस्टम अथॉरिटी ने एक हफ्ते पहले अपनी रिपोर्ट में बताया था कि देश में सिंधु, झेलम और चिनाब नदी

के प्रवाह में 21प्रतिशत की कमी आई है। खैबर पख्तूनख्वा राज्य में स्थित प्रमुख बांध मंगला और तरबेला में 50प्रतिशत से भी कम पानी बचा है। आईआरएसए के मुताबिक 2 जून 2025 को पंजाब में कुल पानी की उपलब्धता सिर्फ 1,28,800 क्यूसेक थी, जो पिछले साल के मुकाबले 14,800 क्यूसेक कम है। वहीं, पाकिस्तान सरकार के मुताबिक, 2 जून 2025 तक पंजाब प्रांत में सिंधु नदी सिस्टम में पानी की उपलब्धता पिछले साल के मुकाबले 10.3प्रतिशत कम हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद अब भारत, पाकिस्तान के साथ जल प्रवाह के आंकड़े शेयर नहीं करेगा। इससे बरसात के मौसम में बाढ़ मैनेजमेंट भी मुश्किल हो जाएगा। पाकिस्तान में मानसून पहुंचने में अभी 3 हफ्ते लगेंगे पाकिस्तान के ऊपर एक एंटी साइक्लोन बन गया है। इस वजह से कई इलाके भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। बलूचिस्तान के कई इलाकों में 16 घंटे बिजली कटौती हो रही है, इस वजह से गर्मी काटना मुश्किल हो गया है। अभी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को पाकिस्तान पहुंचने में 3 हफ्ते लगेंगे, ऐसे में आने वाले हफ्ते और ज्यादा मुश्किल भरे हो सकते हैं।

अमेरिकी राजनीति में बढ़ता दबदबा, टेक्सास के नगर परिषद चुनाव में दो भारतवंशी जीत के करीब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका राजनीति में लगातार भारतीयवंशियों का प्रतिनिधित्व बढ़ता जा रहा है। अब टेक्सास नगर परिषद चुनाव में भी दो भारतवंशी उम्मीदवार जीत की तरफ बढ़ रहे हैं। ये उम्मीदवार हैं संजय सिंघल और सुख कौर। संजय सिंघल टेक्सास की शुगरलैंड सीट से उम्मीदवार हैं। वहीं सुख कौर सैन एंटोनियो से चुनाव मैदान में हैं। संजय सिंघल और सुख कौर चुनाव मैदान में 3 जून को हुए मतदान के बाद वोटों की गिनती जारी है और जल्द ही इसके नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। शुगरलैंड में संजय सिंघल का मुकाबला नासिर हुसैन से है। संजय 54 प्रतिशत मतों के साथ आगे चल रहे हैं और नासिर हुसैन 46 फीसदी मत पाकर दूसरे स्थान पर हैं। संजय सिंघल आईआईटी दिल्ली के छात्र रहे हैं और एनर्जी एक्जीक्यूटिव के पद से रिटायर होने के बाद चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में संजय सिंघल पारदर्शी प्रशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और सामुदायिक जुड़ाव का वादा कर रहे हैं। टेक्सास के नागरिक नेतृत्व में बढ़ेगा भारतीयों का दबदबा वहीं सैन एंटोनियो डिस्ट्रिक्ट 1 से उम्मीदवार सुख कौर हार्वर्ड से स्नातक हैं और पैटी गिब्सन के खिलाफ आगे चल रही हैं। सुख कौर को 64 प्रतिशत मत मिले हैं। अगर सुख कौर जीत जाती हैं तो सैन एंटोनियो सिटी काउंसिल से जीतने वाली पहली सिख महिला होंगी। सुख कौर

ने चुनाव प्रचार के दौरान सस्ते आवास, सार्वजनिक परिवहन में विस्तार और शहरी विकास जैसे वादे किए हैं। वह अपने पति और दो बच्चों के साथ सैन एंटोनियो में रहती हैं। दोनों उम्मीदवारों से टेक्सास के नागरिक नेतृत्व में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधित्व को मजबूती मिलने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में आधिकारिक जीत की घोषणा की उम्मीद है।

ईरान परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के लिए तैयार, लेकिन दबाव स्वीकार नहीं करेगा : राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण को तैयार है। इसकी जानकारी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को दी। उन्होंने कहा कि उनका देश अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी दबाव को स्वीकार नहीं करेगा। राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, पेजेशकियन ने शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान में कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मूरत नूर्टलेउ के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। दरअसल, वह तेहरान और वाशिंगटन के बीच चल रही अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता पर टिप्पणी कर रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि ईरान की परमाणु गतिविधियां पूरी तरह से पारदर्शी हैं और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी इसकी बार-बार पुष्टि की है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा, चूंकि हम निरीक्षण के लिए तैयार हैं, इसलिए हम राष्ट्रों को ज्ञान, प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक उपलब्धियों से वंचित करना अस्वीकार्य मानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान हमेशा तार्किक चर्चा सुनने के लिए तैयार है, लेकिन वह कभी भी जबरदस्ती और धौंस को स्वीकार नहीं करेगा।

उधर, कजाकिस्तान के विदेश मंत्री ने शांतिपूर्ण परमाणु गतिविधियों पर ईरान के सिद्धांतवादी और तार्किक रुख के प्रति अपने देश का सम्मान व्यक्त किया। नूर्टलेउ ने कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव का लिखित संदेश पेजेशकियन को सौंपा। नूर्टलेउ ने कहा कि

उन्हें उम्मीद है कि यह संदेश दोनों देशों के संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ेगा। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर सहमत हुए। सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, कजाकिस्तान के विदेश मंत्री शनिवार सुबह तेहरान पहुंचे और उनके ईरानी समकक्ष सईद अब्बास अराघची ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर बैठक की तथा राजनयिक अभिलेखागार के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने के मुद्दे पर पांच बार अप्रत्यक्ष वार्ता की, जिसकी मध्यस्थता ओमान ने की है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वृद्ध को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 16 लाख की ठगी अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी समेत 3 गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

टेक्नोलॉजी के युग में लोग विभिन्न डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में साइबर क्राइम से जुड़ी घटनाओं में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इस साइबर क्राइम के तहत अपराधी तरह-तरह की आपराधिक गतिविधियों जैसे डिजिटल फ्रॉड और 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए आम नागरिकों से लाखों रुपये ठग लेते हैं।

ऐसा ही एक मामला सूरत से सामने आया है, जिसमें एक वृद्ध को दिल्ली पुलिस की फर्जी पहचान बताकर वीडियो कॉल की गई और मनी लॉन्ड्रिंग के केस की धमकी देकर चडिजिटल अरेस्टज किया गया। उनसे 16 लाख रुपये से अधिक की ऑनलाइन ट्रांसफर करवा ली गई।

फिलहाल इस मामले में पुलिस ने भावनगर के एक अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत में रहने वाले एक वृद्ध को वीडियो कॉल कर खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया गया और कहा गया कि उनके खिलाफ 2.50 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज है। इसके बाद उन्हें दो दिन तक ''डिजिटल अरेस्ट'' में रखा गया।

इस दौरान उनके बैंक खाते से एफ.डी. (फिक्स्ड डिपॉजिट) तुड़वाकर 16 लाख 65 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए गए।

इस पूरी घटना की जानकारी वृद्ध ने अपनी बेटी को दी, जिसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज करवाई।

पुलिस ने बैंक डिटेल के आधार पर जांच की तो भावनगर निवासी 22 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी परमवीर सिंह, 38 वर्षीय राजू परमार और कृष्णा कुमार को गिरफ्तार किया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि इन आरोपियों के खिलाफ देश के 18 राज्यों में साइबर फ्रॉड की शिकायतें दर्ज हैं।

आरोपियों ने खुद को साइबर क्राइम अधिकारी, CBI अधिकारी, कस्टम अधिकारी या पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को वीडियो या ऑडियो कॉल किए। कॉल के दौरान वे कहते थे कि आपने कोई पार्सल विदेश भेजा है या विदेश से आया है, जिसमें अवैध सामान, ड्रग्स, नकली पासपोर्ट या कोई प्रतिबंधित वस्तु पाई गई है।

ऐसे मामलों में वे पीड़ित को स्काइप या अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर उपस्थित रहने के लिए मजबूर करते थे और उन्हें उनके अपने घर में ''डिजिटल अरेस्ट'' कर देते थे। इसके बाद वे मामले का निपटारा करने और केस बंद करने के लिए पैसे की मांग करते थे।

ऐसे मामलों में पीड़ित लोग डर के मारे केस खत्म करने की कोशिश करते हैं और आरोपियों को पैसे दे देते हैं।

मारामारी के मामले में बड़े आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, पुलिस काफिले के साथ निकाला जुलूस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कानून व्यवस्था की स्थिति को चुनौती देते भारी अपराधियों को काबू में करने के लिए पुलिस द्वारा सार्वजनिक रूप से वर्धा निकाला गया। इसी

कड़ी में मारपीट के अपराधी मस्ताने को भेस्तान पुलिस ने कुछ ही घंटों में गिरफ्तार किया। भेस्तान और ऊन इलाके में मस्ताने का आतंक कायम था। भेस्तान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मस्ताने का री-कंस्ट्रक्शन कराया गया ताकि लोगों में उसके भय को कम किया जा सके और क्षेत्र में अपराधियों को डरा-धमकाकर काबू किया जा सके। भेस्तान पुलिस इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस काफिला आरोपी मस्ताने को इलाके में लेकर गया और लोगों के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगवाई। गंभीर अपराधी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

सूरत में शराब तस्करों का आतंक, घर के बाहर शराब पीने पर महिलाओं को सार्वजनिक स्थल पर पीटा गया

सूरत के महिधरपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में धवल नाम का एक शराब तस्कर स्थानीय लोगों पर हमला किया है। घर के बाहर आँगन में शराब पीने की मना करने पर महिलाओं, उनके परिवार वालों और अन्य स्थानीय लोगों को यह तस्कर और उसके साथियों ने मारपीट की।

भैंस चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC क्षेत्र में रहने वाले पशुपालक अमित श्रीनिवास यादव की तीन भैंसें 19 मई 2025 की शाम को टैबेला के पीछे खुली जगह पर चर रही थीं। कुछ देर बाद पशुपालक ने देखा कि तीनों भैंसें अचानक गायब हो गईं। खोजबीन करने पर भी भैंसें नहीं मिलीं, जिसके बाद उन्होंने तुरंत सचिन GIDC पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज करवाई। तीन भैंसों की कुल कीमत लगभग 1.20 लाख रुपये थी। चोरी के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, लेकिन तब तक भैंसें कत्लखाने में काट दी गई थीं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की। पड़ोसी इलाकों के सीसीटीवी फुटेज हासिल किए गए। टोलनाके के सीसीटीवी फुटेज में एक सफेद बोलेरो पिकअप वैन (GJ-05 AV-2708) गुजरती दिखी।

> टोलनाका के सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई, आरोपियों ने भैंस को कटालखाने ले जाकर काटने की बात कबूल की।

आश्चर्य की बात यह थी कि वैन के पीछे तीन भैंसें जिंदा स्थिति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं। फुटेज में वैन के आगे-पीछे के दृश्य और ड्राइवर सहित व्यक्तियों की हरकतें भी स्पष्ट रूप से कैद थीं।

भैंसें चोरी करने के बाद कत्लखाने ले जाकर काट दीं

टोलनाके के सीसीटीवी फुटेज में समय, दिशा और वैन नंबर के आधार पर पुलिस ने पीएमटी विभाग से संपर्क कर वैन के मालिक और उपयोगकर्ता का नाम पता लगाया। इसके आधार पर पुलिस ने कुछ ही घंटों में तीन आरोपियों रफीक

उर्फ सुपुडु रशीद कुरैशी (उम्र 41), इमरान इस्माइल कुरैशी (उम्र 28), और मोहम्मद हुजेफा जुबेर शेख (उम्र 25) को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों ने भैंसें चोरी करने के बाद कत्लखाने ले जाकर काटने की बात कबूल की। पूरी घटना बहुत ही योजनाबद्ध और पूर्वनियोजित तरीके से अंजाम दी गई थी।

मुख्य आरोपी रफीक कुरैशी का अपराधों का लंबा इतिहास

पुलिस ने आरोपियों से 3,00,000 रुपये मूल्य की वैन जब्त की है। आगे की जांच में पता चला कि मुख्य आरोपी रफीक कुरैशी के खिलाफ लिबायत, मंगरोल, कामरेज और कीम पुलिस थानों में पशु चोरी और हत्या के कई मामले दर्ज हैं।

नए सत्र की दस्तक स्कूलों में फिर गूंजेगी बच्चों की किलकारियां

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड़/संवाददाता,

वापी-वलसाड सहित पूरे गुजरात की स्कूलों के छात्र हाल ही में अपने गर्मी की छुट्टियों का भरपूर आनंद ले रहे थे। अब प्रदेश भर की स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ होने जा रहा है। लगभग 35 दिनों की लम्बी छुट्टियों के बाद एक बार फिर स्कूल परिसरों में बच्चों की किलकारियां और उल्लास गूंजने लगेगा।

लंबे समय से शांत पड़े कक्षा-कक्ष अब फिर से जीवंत हो उठेंगे और ज्ञान की सरिता बहने लगेगी। छुट्टियों के बाद छात्रों में एक नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिल रहा है। वे अब नए किताबों, नए विषयों और नए दोस्तों से मिलने के लिए बेताब हैं।

विशेषकर छोटे बच्चे, जो पहली बार स्कूल का अनुभव करने जा रहे हैं, उनकी भावनाएं कुछ अलग ही होती हैं। कोई स्कूल जाने के लिए बहुत उत्साहित है, तो किसी के मन में पहली बार स्कूल जाने का थोड़ा भय भी है। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूलों और कॉलेजों में प्रवेश को लेकर छात्र-छात्राएं और अभिभावक तैयारियों में जुट गए हैं।

एडमिशन प्रक्रिया को लेकर स्कूलों में भी हलचल तेज हो गई है। अब देखना यह है कि शिक्षा का यह नया अध्याय छात्रों के जीवन में क्या-क्या नया लेकर आता है।

गारमेंट दुकान में आग, लाखों का माल जलकर खाक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी/संवाददाता

वापी शहर के गुंजन क्षेत्र स्थित सूर्या गली में सोमवार को एक गारमेंट दुकान में आग लगने की घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार, हादी गारमेंट नामक दुकान में लगे एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़क उठी।

आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। हालांकि आग इतनी भीषण थी कि दुकान में रखे सारे कपड़े और सामान जलकर खाक हो गए।

सौभाग्यवश इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। दमकल विभाग द्वारा प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को ही आग लगने का कारण बताया गया है।

"अनुभव का सम्मान"कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने खेली म्यूजिकल हाउसी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा सोमवार को समाज के वरिष्ठजनों के लिए ''अनुभव का सम्मान'' कार्यक्रम का आयोजन सिटीलाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में दोपहर तीन बजे से किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में बुजुर्गों ने बड़े उत्साह से पुराने मधुर गीतों की धुन पर म्यूजिकल हाउसी खेली। इस दौरान हंसी, तालियों और उत्साह से हॉल गूंज उठा। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों को उपहार देकर उनका सम्मान किया गया। साथ ही उनके लिए नेल आर्ट, टैरो रीडर एवं विशिंग ट्री का भी प्रबंध किया गया था। आयोजन में मनोरंजन एवं पारिवारिक प्रेम का सुंदर समावेश देखा गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे समाज के स्तंभ वरिष्ठजनों को उनके अमूल्य अनुभव, मार्गदर्शन और प्रेम के लिए आदरांजलि अर्पित करना था। कार्यक्रम में महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सरोज अग्रवाल, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, अनीता केडिया, कुसुम सराफ सहित अनेकों सदस्या उपस्थिति रही।

60 लाख रुपये के यार्न की धोखाधड़ी करने वाला 34 साल का आरोपी गिरफ्तार,बन गया था ट्रक ड्राइवर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कानून की अवहेलना करके आरोपी भले ही भूल जाता हो, लेकिन कानून कभी आरोपी को नहीं भूलता। यही बात सच साबित हुई है जब सूरत में 34 साल पहले 60 लाख रुपये के यार्न की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी पकड़ा गया।

आरोपी पुलिस की पकड़ से बचने के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने ठिकाने बदलता रहा। वह ट्रक ड्राइवर बन गया था और ट्रक में ही अपना जीवन गुजार रहा था।

पुलिस ने छत्तीसगढ़ में आरोपी का 250 किलोमीटर तक पीछा करके उसे गिरफ्तार किया और कानूनन कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, बब्बू लक्ष्मण धोबी मूलत: उत्तर प्रदेश के नवोस्ताना बरसात का रहने वाला है और ट्रक ड्राइवर का काम करता है। उसने सागरीतो के साथ मिलकर 1992 में फर्जी ट्रक नंबर और ट्रक के झूठे कागजात बनाए थे। इसके बाद उन्होंने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर सूरत से बनारस तक 60 लाख रुपये के यार्न का माल लेकर जाने के लिए ट्रक भरा था। यह माल बनारस नहीं पहुंचाया और दोनों ट्रकों का माल सही तरीके से बेचकर धोखाधड़ी की थी।

60 लाख रुपये की धोखाधड़ी करके आरोपी गायब हो गया था। पुलिस उसकी तलाश में लगी रही, लेकिन आरोपी का लोकेशन बार-बार अलग-अलग राज्यों जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश में बदलता रहता था। पत्नी के निधन के बाद उसने उत्तर प्रदेश छोड़कर मध्यप्रदेश में रहने लग गया था। उसने अपनी बेटी-संतान को अपने पैतृक स्थान पर रखा था और साल में एक बार उनसे मिलने जाता था।

आरोपी खुद खाना बनाता था और कटा हुआ ट्रक ही अपना घर बना लिया था। साथ ही ड्राइवर का काम भी करता था।

पुलिस ने आरोपी की पूरी जानकारी हासिल कर उसकी ट्रक का 250 किलोमीटर तक पीछा किया। पुलिस वाले भी ड्राइवर का रूप धारण किए हुए थे।

आखिरकार छत्तीसगढ़ के रायपुर के उरला जीआईडीसी के पार्किंग में आरोपी आराम कर रहा था, जहां उसे सोते हुए पकड़ लिया गया।

6 महीने बाद फिर से शुरू हुए सिटी बस के मासिक पास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

परिवहन विभाग ने तुरंत प्रभाव से मासिक पासों की सेवा फिर से शुरू की, जिससे छात्रों की समस्याओं का अंत हुआ; अब स्मार्ट कार्ड आधारित सरल पास आसानी से लिया जा सकेगा।

सूरत महानगर पालिका द्वारा मास ट्रांसपोर्टेशन को महत्व देने के उद्देश्य से विभिन्न आकर्षक योजनाएं घोषित की गई थीं। इसके तहत मनी कार्ड और सरल पास जैसी योजनाओं की घोषणा की गई थी, लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण छात्र, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक इस सेवा का लाभ लेने से वंचित रह गए थे।

हीरा उद्योग में कानून उल्लंघन

नवसारी की आर.सी.जेम्स डायमंड कंपनी को मानव अधिकार आयोग की नोटिस, 26 जून को प्रस्तुत करने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के शांतादेवी क्षेत्र में स्थित आर.सी.जेम्स डायमंड कंपनी को मानव अधिकार आयोग ने नोटिस भेजा है। कंपनी को 26 जून तक विस्तृत रिपोर्ट के साथ आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। घटना का विवरण इस प्रकार है कि शांतादेवी इलाके में आर.सी.जेम्स डायमंड को मानव अधिकार आयोग की नोटिस जारी की गई है। यह नोटिस मजदूरों के वेतन बढ़ोतरी से जुड़ी शिकायत के कारण दी गई है। गत 4 अप्रैल को नवसारी की आर.सी.जेम्स डायमंड फैक्ट्री के रत्नकाकारों ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल शुरू कर दी थी।

इस हड़ताल में बड़ी संख्या में रत्नकाकार शामिल हुए थे। इस दौरान डायमंड वर्कर यूनियन गुजरात ने रत्नकाकारों के मानव अधिकारों की रक्षा और मजदूर कानूनों के पालन को सुनिश्चित कराने हेतु शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर आयोग ने आर.सी.जेम्स डायमंड कंपनी को 26 जून को विस्तृत रिपोर्ट के साथ आयोग में उपस्थित होने का नोटिस भेजा है।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि उचित कारण बताए बिना या बिना आयोग को सूचित किए उपस्थित न होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डायमंड वर्कर यूनियन गुजरात के उपाध्यक्ष भावेश टांके ने बताया कि आर.सी.जेम्स डायमंड कंपनी के खिलाफ फैक्ट्री इंस्पेक्टर और पीएफ कमिश्नर को भी शिकायत की गई है।